A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 23 जुलाई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 316 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

रोजगार रहित आर्थिक वृद्धि को रोजगारपरक बना पाएगा बजट?

अनन्त मित्तल

आगामी बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को घरेलू कर्ज का बोझ घटाने, आम लोगों की जेब में कुछ अधिक पैसा पहुंचा कर टिकने देने तथा रोजगार रहित आर्थिक वृद्धि को रोजगारपरक उत्पादन व्यवस्था में बदलने पर जोर देना होगा। जाहिर है कि इसके लिए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शह पर एक दशक से अपनाई जा रही आर्थिक नीतियों में आमूल चूल बदलाव करना पड़ेगा। अपनी नीतियां बदले बिना केंद्र सरकार के लिए देश की अर्थव्यवस्था में निचले स्तर पर फैली मंदी और बेकारी से पार पाना असंभव होगा। निचले स्तर पर मंदी का ये आलम साल 2019 के आम चुनाव के बाद से ही तारी है। माली साल 2019-20 में जीडीपी में करीब 4.5 फीसद की मामूली वृद्धि दर निचले स्तर पर व्याप्त मंदी का पर्याप्त सबूत है। उसके बाद कोविड महामारी से रसातल में पहुंची जीडीपी ने जो आम आदमी की कमर तोड़ी है, उससे वो अब तक नहीं उबर पाया। इसीलिए जीएसटी में अपने 67 फीसद योगदान के बावजूद देश की आधी से ज्यादा आबादी मासिक पांच किलोग्राम मुफ्त राशन पर अपना पेट पालने को मजबूर है।

निचले स्तर पर मंदी की तस्दीक बचत दर के करीब छह फीसद तक गिर जाने से भी हो रही है, ऊपर से घरेलू कर्ज जीडीपी के अनुपात में 40 फीसद के उच्चतम स्तर पर मंडरा रहा है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक भी चिंतित है जबकि केंद्र सरकार करों से रिकॉर्ड उगाही और जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि का दावा करते नहीं अघा रही।

जीडीपी के अनुपात में शुद्ध बचत दर 6 फीसद तक औंधे मुंह गिर जाने का रिकॉर्ड बना रही है जबकि यूपीए के कार्यकाल में शुद्ध बचत दर 25 से 30 फीसद के बीच सुर्ख थी। कर्ज के बढ़ते बोझ में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लिया जाने वाला कर्ज भी शामिल है। केंद्र सरकार अधिक मात्रा में कर्ज लेने को बुनियादी ढांचे के फटाफट निर्माण के लिए जरूरी बताकर सही ठहरा रही है। विडम्बना ये कि उस बुनियादी ढांचे यानी पुलों, राजमार्गों, रेलवे स्टेषनों, नई ट्रेनों, हवाई अड्डों आदि को चलाने का जिम्मा सरकार लगातार निजी कंपनियों को सौंप रही है। इस वजह से उनसे होने वाली नियमित आमदनी भी कंसेशनरों की ही जेब में जा रही है।

केंद्र सरकार के हाथ में उनकी नीलामी अथवा ठेके देने से मिली एकमुश्त राशि ही आती है। उस राशि को सरकार अपना राजकोषीय घाटा पाटने में झोंक रही है जिससे मूल अदा हो नहीं रहा और ब्याज का दायित्व लगातार बढ़ रहा है। इसलिए कर्ज और ब्याज का बोझ सरकार अर्थात् आम आदमी की कमर पर लगातार बढ़ने से वह महंगाई और बेरोजगारी की मार सहित तितरफा पिस रहा है।

इस कुचक्र में जहां आम आदमी की आमदनी लगातार घट रही है वहीं खर्चों का दबाव बढ़ने से वो अपनी बचत तोड़ने को मजबूर है। यह अर्थव्यवस्था में निचले स्तर पर मंदी का द्योतक है। बचत दर में जबरदस्त गिरावट से साफ है कि दिहाड़ी मजदूरों को नियमित काम मिलना मुहाल है। जिससे उनकी खरीद क्षमता घटी है और उसी से खपत भी घट रही है। इसलिए अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती फिलहाल घरेलू मांग में तेजी लाना है। इसके उपाय बजट में करना जरूरी है। बचत दर में इतनी जबरदस्त गिरावट के लिए जिम्मेदार पिछले दस साल में घटे अनेक आर्थिक कारण हैं। इनमें प्रमुख हैं नोटबंदी, अनाप-शनाप जीएसटी दरें, कोविड महामारी, अंधाधुंध लॉकडाउन एवं अर्थव्यवस्था में रोजगार रहित वृद्धि।

रोजगार रहित वृद्धि की सबसे बड़ी वजह बुनियादी ढांचे सहित उद्योगों एवं वितरण प्रणालियों में निर्माण एवं उत्पादन प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर मशीनों का प्रयोग बढ़ना है। आजकल पुल निर्माण में गिट्टी और सीमेंट एवं रेत मिलाकर मसाला बनाने का सारा काम मशीनों से हो रहा है। उस रेडीमेड मसाले को विशाल सीमेंट मिक्सर उत्पादन स्थलों पर सीधे ले जाकर खांचों में भर देते हैं। इस प्रकार इन प्रक्रियाओं में आज से एक दशक पहले जहां बड़ी संख्या में लोग हाथ से काम करते थे अब मशीनीकरण ने उनकी संख्या बहुत सीमित कर दी है।

इसी तरह कार और मोटर साइकिलों की असेम्बली लाइन में अब ज्यादातर काम रोबोट द्वारा किया जाता है, जिसकी वजह से कुशल कारीगर बेरोजगार हो गए हैं। ऐसे ही दवा उद्योग में भी मनुष्यों के हाथ से होने वाला काम तेजी से मशीनों एवं रोबोट के हवाले हो रहा है। धीरे-धीरे खुदरा ऑनलाइन व्यापार में भी माल छांटने, रैक जमाने और पैकिंग आदि का मनुष्यों द्वारा किया जाने वाला काम रोबोट द्वारा किया जाने लगा है। अमेजन से लेकर फ्लिपकार्ट, रिलायंस, जिओ मार्ट, बिग बास्केट, ब्लिंक इट,जेप्टो, स्विगी, जोमैटो आदि तमाम ऑनलाइन खुदरा व्यापार कंपनियां ऑर्डर वाले सामान को घर-घर पहुंचाने के लिए मनुष्य की जगह ड्रोन का सहारा लेने की प्रक्रिया में है। इसलिए उस सामान को फिलहाल घरों तक पहुंचाने में रोजगार पा रहे लाखों गिग वर्करों के सिर पर बेरोजगारी की तलवार लटक रही है।

भारत जैसे दुनिया में सबसे अधिक करीब एक अरब, 42 करोड़ आबादी वाले देश में उत्पादन एवं निर्माण प्रक्रियाओं का अंधाधुंध मशीनीकरण गंभीर सामाजिक असंतोष का कारण बन सकते हैं। हमारी आधी से अधिक आबादी 15 से 35 साल उम्र के युवाओं की है जिसके लिए रोजगारों की संख्या साल दर साल बड़ी तादाद में बढ़ाया जाना आवश्यक है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजट में युवाओं ने सरकारी पदों पर बड़े पैमाने पर भर्तियां खोलने तथा सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर लाखों नए रोजगार पैदा करने संबंधी नीतियों की घोषणा की उम्मीद है।

वित्त मंत्री के लिए सामाजिक एवं आर्थिक विषमता की सबसे चौड़ी हो चुकी खाई को पाटने के ठोस उपाय करना भी जरूरी हैं। बेरोजगारी और महंगाई सुरसा के मुंह की तरह लगातार बढ़ती जा रही है। देश में अस्सी करोड़ आबादी मुफ्त सरकारी अनाज के सहारे पेट पालने को मजबूर है, क्योंकि धन्नासेठों को कॉरपोरेट टैक्स की दरों में मिली ऐतिहासिक छूट के बावजूद वो देश में पूंजी निवेश के बजाए विदेशों में निवेश बढ़ा रहे हैं।

सीएमआईई के अनुसार बेरोजगारी इस समय देश में औसतन 9 फीसद से अधिक है। देश में आर्थिक विषमता का आलम ये है कि 40 फीसद दौलत महज एक फीसद अमीरों की मुट्ठी में कैद है। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में मोदी की एनडीए सरकार क्या पूंजीपतियों एवं अमीर वर्ग पर अलग से कर लगाकर वो पैसा रोजगार पैदा करने वाली परियोजनाओं में लगाने की हिम्मत दिखा पाएगी ?

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

अपनी अपनी आत्मा के एकांत में
अब भटकते हैं हम दोनों
एक दूजे को टटोलते
बस भूलने लायक बातें भूलते हैं
जिन्हें भुलाना था शायद बरसों पहले

बुहारते स्मृति कोष को
मैं तुम्हारी पहली हँसी को
झाड़ पोंछ कर रखता हूँ
तुम लाल होते मेरे चेहरे को

उफ़! कितनी गर्द जमा हो गयी है
कितने काम हैं बाकी
और शाम हुई जाती है।

- राजेन्द्र शर्मा

दुकानदारों को अपनी पहचान बताने की जरूरत नहीं : एससी

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड और एमपी सरकार के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों से अपनी पहचान प्रदर्शित करने के आदेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील सीयू सिंह ने इसे अल्पसंख्यक आबादी के लिए घातक बताया है। सीयू सिंह ने यह तक कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार का यह फैसला अल्पसंख्यकों के आर्थिक बहिष्कार की प्लानिंग का संकेत दे रहा है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस भेजा है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में सोशिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स ने चुनौती दी है। इस मामले में जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सुनवाई कर रही है। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से वकील सीयू सिंह दलील दे रहे थे।

हमीदिया का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम मोहन यादव

अटेंडर से पूछा- क्या हाल है, जवाब मिला- बेटा हुआ है, तो बोले- अरे वाह, बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार शाम हमीदिया के इंस्पेक्शन पर पहुंचे। सबसे पहले सीएम ब्लॉक-2 बिल्डिंग में स्त्री और प्रसूति रोग विभाग में पहुंचे। यहां वेटिंग एरिया में मरीजों के परिजन से बात की। एक महिला अटेंडर से उन्होंने पूछा, क्या हाल है? अटेंडर ने जवाब दिया, बेटा हुआ है। सब ठीक है। इस पर सीएम ने कहा, अरे वाह! बधाई आपको...। ये सीएम का अचानक दौरा था। उन्होंने शिशु रोग विभाग में भी जाकर व्यवस्थाएं देखीं। सीएम ने पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे फ्लोर पर कई वार्ड में जाकर मरीजों के साथ उनके परिजनों से बातचीत की। अस्पताल प्रबंधन से इस बात पर भी चर्चा की कि अस्पताल में क्या सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। मुख्यमंत्री सोमवार शाम हमीदिया के औचक निरीक्षण पर पहुंचे। सीएम ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन से अस्पताल में बनी अलग - अलग बिल्डिंग के संचालित विभिन्न डिपार्टमेंट्स के बारे में जानकारी ली। साथ ही हॉस्पिटल के इमरजेंसी एग्जिट और एंट्री को लेकर भी डॉक्टरों से चर्चा की। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, यह प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि जिस प्रकार का हमारा हॉस्पिटल का प्रबंधन चल रहा है, उसमें किसी को कोई परेशानी न हो।

विभाग छिनने से मंत्री नागर नाराज, इस्तीफे की बात कही

बोले-पद ले लेने के बाद विकास और आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर पाऊंगा

भोपाल/अलीराजपुर (नप्र)। विभाग छिनने से नाराज मंत्री नागर सिंह चौहान ने इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने सोमवार को मीडिया से कहा, 'मैं इस्तीफा दे दूंगा, क्योंकि मंत्री रहते हुए आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर पा रहा हूं।'

मंत्री पद की शपथ लेने के 13 दिन रविवार को रामनिवास रावत को वन एवं पर्यावरण विभाग सौंपा गया। इस विभाग का जिम्मा मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था। अब उनके पास अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ही रह गया है। बताया जा रहा है कि नागर सिंह इस बात से नाराज हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में नागर की पत्नी अनीता सिंह चौहान रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुनी गई हैं।

सोमवार को नागर सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा- अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, बड़वानी, धार, खरगोन के आदिवासी भाइयों ने मुझ पर बहुत भरोसा जताया है कि मैं उनके लिए विकास करूंगा, लेकिन सरकार द्वारा मेरे मुख्य पद ले लेने के बाद मैं विकास नहीं कर पाऊंगा। उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा- मेरे बिना मांगे मुझे तीन-तीन विभाग दिए गए थे, जबकि मैंने आदिवासी होने के नाते आदिवासी विभाग मांगा था। इसके बावजूद कांग्रेस से आए कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें पद दिए जा रहे हैं, जो कहीं न कहीं गलत है।

वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया 2023-24 का आर्थिक सर्वे

- न्यू फाइनेंशियल ईयर में देश की जीडीपी की रफ्तार 6.5 से सात फीसदी रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में वित्त वर्ष 2023-24 की आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत की। इसमें फाइनेंशियल ईयर 2025 में देश का जीडीपी ग्रोथ रेट 6.5 से सात फीसदी रहने का अनुमान है। आर्थिक समीक्षा (सर्वे) सरकार द्वारा केंद्रीय बजट से पहले प्रस्तुत किया जाने वाला वार्षिक दस्तावेज है जिसमें अर्थव्यवस्था की स्थिति की निष्पक्ष समीक्षा होती है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक संभाग द्वारा आर्थिक समीक्षा तैयार की जाती है। इसे मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में तैयार किया जाता है। देश में पहली बार आर्थिक समीक्षा 1950-1951 में पेश की गई थी जब यह बजट दस्तावेजों का ही हिस्सा होती थी। इसे 1960 के दशक में बजट से अलग किया गया और बजट पेश करने से एक दिन पहले संसद में प्रस्तुत किया जाने लगा। सीतारमण मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी। इकनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि सर्विसेज सेक्टर में लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिल रहा है और अब कंस्ट्रक्शन सेक्टर में भी तेजी आई है। सरकार के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर देने से ऐसा हुआ है।

संसद दल नहीं, देश के लिए है, मिलकर करें काम

● पीएम बोले-विपक्ष ने पिछले सत्र में प्रधानमंत्री का गला घोंटा ● मोदी बोले-2.5 घंटे तक मेरी आवाज दबाने की कोशिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश करने से पहले सोमवार (22 जुलाई) को मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने बजट सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले पांच साल की दिशा तय करेगा और 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा। मोदी ने जून में सरकार बनने के बाद लोकसभा के पहले सत्र में विपक्ष के हंगामे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को चुना, पहले सत्र में उसकी आवाज को कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा- विपक्ष ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद के समय का इस्तेमाल किया। देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया। ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक परंपराओं में ऐसे आचरण का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसका कोई पश्चाताप तक नहीं है। मोदी बोले- आज सावन का पहला सोमवार है। इस पवित्र दिवस पर एक महत्वपूर्ण सत्र की शुरुआत हो रही है। आज संसद का मानसून सत्र आरंभ हो रहा है। देश बहुत बारीकी से देख रहा है कि संसद का यह सत्र सकारात्मक हो, सृजनात्मक हो और देशवासियों के सपनों को सिद्ध करने के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला हो। प्रधानमंत्री ने कहा- यह भारत के लोकतंत्र की गौरव यात्रा है।

सीएम नीतिश कुमार के करीबी आईएएस पर ईडी की रेड

बिहार में एनडीए गठबंधन में दिख रहे हैं मतभेद के संकेत

जेडीयू बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की पर अड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में सत्ताधारी एनडीए गठबंधन के बीच मतभेद, बीजेपी के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के करीबी माने जाने वाले एक आईएएस अधिकारी के ठिकानों पर ईडी के छापे ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। हालांकि, एनडीए गठबंधन के सभी दल आधिकारिक तौर पर यही कहते हैं कि एनडीए एकजुट है और रहेगा। लेकिन, हालिया घटनाक्रम कुछ और ही बयां कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ मार्ग पर स्थित होटलों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश का भी बीजेपी की सहयोगी पार्टी जेडीयू ने कड़ा विरोध किया है। वहीं दूसरी ओर, बिहार बीजेपी के नेताओं ने एनडीए शासित राज्य में भी यूपी जैसा ही निर्देश जारी करने की मांग की है। बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि नाम प्रदर्शित करने में कोई बुराई नहीं है। बचौल ने कहा, अगर आपका कोई व्यवसाय है, तो अपना नाम प्रदर्शित करने में क्या हर्ज है। बिहार सरकार को भी यूपी सरकार की तरह कांवड़ मार्ग पर आदेश लागू करना चाहिए।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5°c न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे
भोपाल ■ मंगलवार,23 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के अंबाला में हैवान बना रिटायर्ड सूबेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला में एक रिटायर्ड सूबेदार ने वहशियाना हरकत करते हुए धारदार हथियार से परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी। मरने वालों में 6 महीने का बेटा और 5 साल की बेटी भी शामिल है। वारदात को शनिवार की देर रात जिले के नारायणगढ़ में अंजाम दिया गया। आरोपी

सूबेदार ने अपने पिता और भाई की बड़ी बेटी पर भी हमला किया था, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक एक साथ पांच लोगों की हत्या करने के बाद आरोपी हमलावर सभी मृतकों के शवों को जलाने की भी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सका। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने धारदार हथियार से जिन लोगों की हत्या की है। उसमें मां, भाई, भाई की पत्नी और उसके दो बच्चे शामिल है।

केशव मौर्य ने सीएम योगी के विभाग से मांगा आरक्षण का ब्यौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। अब उन्होंने सीएम योगी के विभाग को पत्र लिखा है। बता दें कि उन्होंने नियुक्ति और कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव से आउटसोर्सिंग में आरक्षण की जानकारी मांगी है। लेटर में डिप्टी सीएम ने कहा है कि यह मुद्दा वह विधान परिषद में भी उठा चुके हैं। पिछले दिनों संगठन को लेकर उनका बयान काफी चर्चित रहा था। जिसमें उन्होंने कहा था कि 'संगठन से बड़ा कोई नहीं होता है'। इसे सीएम योगी पर साधे गए निशाने के तौर पर देखा गया था। इस दौरान उनके दिल्ली जाने से भी मामला काफी चर्चा में आ गया था। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने केशव प्रसाद मौर्य ने आउटसोर्सिंग और संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों की कुल संख्या को लेकर जानकारी मांगी है।

अमरीका चुनाव

कमला और ट्रम्प में फाइट मुकाबला हो गया टाइट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 21 जुलाई, भारतीय समयानुसार रात करीब 11 बजे जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हाथ खींच लेते हैं। उन्होंने 28 जून की प्रेसिडेंशियल डिबेट हारने के करीब एक महीने बाद ये फैसला लिया। पार्टी लगातार बाइडेन पर दावेदारी वापस लेने के लिए दबाव बना रही थी। अब अपना नाम वापस लेते हुए बाइडेन ने उप-

राष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट के तौर पर चुना है। हालांकि, अभी कमला के नाम पर पार्टी की मुहर लगनी बाकी है। कमला उम्र में बाइडेन से 22 साल छोटी हैं। विपक्ष के हमलों का जवाब देने में माहिर हैं, ब्लैक वोटर्स से लेकर महिलाओं तक में उनकी पैठ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से करीब 20 साल छोटी हैं। अगर वह अपनी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई जाती हैं तो पार्टी के अंदर वह एक नई पीढ़ी का नेतृत्व करेंगी।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे शिवालय

● सावन माह के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड ● काशी विश्वनाथ में 2 लाख, महाकाल में डेढ़ लाख भक्तों ने किए दर्शन

बनारस (एजेंसी)। सावन का 22 जुलाई को पहला सोमवार था। सभी ज्योतिर्लिंगों में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार रात से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मध्यप्रदेश के उज्जैन महाकाल मंदिर में लगभग 3 लाख श्रद्धालु पहुंचे हैं। दोपहर 1 बजे तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। शाम 4 बजे बाबा महाकाल की सवारी निकाली गई। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दोपहर 2 बजे तक करीब 2 लाख भक्तों ने दर्शन और जलाभिषेक किया। इस बार मंदिर में प्रवेश के लिए दो-तीन नए रास्ते बनाए गए हैं। वाराणसी के गौदोलिया में

कांवड़ यात्रियों का स्वागत मुस्लिम समाज ने किया। इन लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इधर, मुजफ्फरनगर में कांवड़ियों ने पुलिस पर कुर्सियां फेंकी। विवाद कांवड़ खंडित होने के कारण हुआ। कांवड़ियों ने होटल में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की। झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक और दर्शन के लिए 4 किमी लंबी लाइन लगी है। पहली सोमवारी पर लगभग डेढ़ लाख कांवड़िए पहुंचे । गौदोलिया चौक पर मुस्लिम समाज के लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। काशी की धरती पर आशिफ शेख ने बताया कि हम गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश कर रहे और अपने कांवड़िए भाइयों की सेवा कर रहे।

हरिशंकर परसाई जन्मशती समारोह अंतर्गत व्यंग्य गोष्ठी संपन्न

व्यंग्यकारों ने गुरु हरिशंकर परसाई को गुरु पूर्णिमा पर या श्रद्धांजलि दी

भोपाल। दुष्यंत स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय सभागार के राज सदन में लब्ध प्रतिष्ठित व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के जन्मशती समारोह का आयोजन वरिष्ठ व्यंग्यकार प्रियदर्शी खैरा की अध्यक्षता, प्रतिष्ठित व्यंग्यकार मलय जैन के मुख्य आतिथ्य, प्रसिद्ध व्यंग्य लेखिका डॉ. साधना बलबटे के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए नगर के वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश पटवा ने हरिशंकर परसाई जी पर बीज वक्तव्य देते हुए परसाई जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर रोचक ढंग से प्रकाश डाला कि उन्होंने किस तरह गद्य लेखन की व्यंग्यात्मक शैली को एक साहित्यिक विधा में तब्दील कर दिया।

इस अवसर पर प्रियदर्शी खैरा ने अध्यक्ष की आसंदी से बोलते हुए कहा कि आज गुरु पूर्णिमा पर नगर के व्यंग्यकारों ने व्यंग्य गुरु हरिशंकर परसाई को याद करते हुए व्यंग्य हवन में आहुतियाँ दीं।

मलय जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि परसाई जी को व्यंग्य विधा के आधार स्तंभ बताते हुए व्यंग्य साहित्य में उनके योगदान की याद दिलाई, फिर उन्होंने 'दिल थामिये भाई साहिब' रचना का पाठ किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. साधना बलबटे ने कहा कि 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े' व्यंग्य सुनाते हुए व्यंग्य को लोकजीवन से उपजा बताया।

सुदर्शन सोनी ने 'साधने की कला', यशवंत गोरे ने 'जूता एक काम अनेक', विवेक रंजन श्रीवास्तव ने 'बेगानी शादी अब्दुल्ला दीवाना',शारदा दयाल श्रीवास्तव ने 'प्रखर जगत के खर', कमल किशोर दुबे ने 'शालीनता का अपहरण', जयजीत अकलेचा ने 'बजट हलवे की कढ़ाई से बातचीत' व्यंग्य सुनाये।

कार्यक्रम संचालन लेखक संघ के अध्यक्ष राजेंद्र गट्टानी ने किया। स्वागत उद्बोधन दुष्यंत स्मारक संग्रहालय की सचिव करुणा राजुरकर ने दिया और आभार संस्था के अध्यक्ष रामराव वामनकर ने व्यक्त किया। इस महत्वपूर्ण साहित्यिक कार्यक्रम में ऋषि श्रृंगारी, गोकुल सोनी, अशोक व्यास, विभा सिन्हा, आरती शर्मा, संजय कुमार, वीरेंद्र श्रीवास्तव, बिहारी लाल सोनी अनुज, वृक्ष मित्र सुनील दुबे, मीनू पांडे, सुधा दुबे, विशाखा राजुरकर सहित शहर के अनेक गणमान्य साहित्यकार उपस्थित रहे।

दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय गुरुपूर्णिमा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के पहले दिन प्रथम सत्र में मुख्यमंत्री जी के आतिथ्य में इंदौर में आयोजित गुरुपूर्णिमा उत्सव का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का प्रारंभ कुलगुरु प्रो. खेमसिंह डहेरिया ने सरस्वती पूजन कर किया। अपने उद्बोधन में प्रो. डहेरिया ने कहा कि भारत विश्व गुरु रहा है, आगे भी रहेगा। गुरु दर्पण ही तीसरा गुरु होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गुरु शिष्य परम्परा को मुख्य रूप से लिया गया है, जो विकसित भारत के निर्माण में कारगार सिद्ध होगी।

द्वितीय दिवस के अपने उद्बोधन में माननीय कुलगुरु ने बताया कि युवा विद्यार्थी जीवन में वायु के वेग के समान होता है, किन्तु समय-समय पर उन्हें दिशा देने की आवश्यकता होती है, जो गुरु का दायित्व होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्व गुरु बनने के उद्देश्य निहित हैं। एक बार पुनः विश्व के छात्र

नालंदा, तक्षशिला जैसे ही भारतीय विश्वविद्यालयों में ज्ञान प्राप्त करेंगे। भारतीय शिक्षा व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण का कार्य करती है। उन्होंने आरुणि की गुरु भक्ति का उदाहरण देते हुए बताया कि प्राचीन शिक्षा पद्धति में रोजगार, कौशल विकास, कृषि का समायोजन था।

कार्यक्रम में आभार कुलसचिव शैलेन्द्र कुमार जैन ने माना और संचालन डॉ. जितेन्द्र भावसार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित थे।

को याद करने से हमारे विकार वैसे ही दूर होते हैं जैसे प्रकाश के होने पर अंधेरा दूर हो जाता है।

इसी संदर्भ में गुरुपूर्णिमा उत्सव के द्वितीय दिवस विद्यार्थियों और शिक्षकों का विश्वविद्यालय प्रांगण में तिलक लगाकर अभिवादन किया गया। द्वितीय दिवस पर विषय प्रवर्तन संकायाध्यक्ष प्रो. राजीव वर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि भारतीय सनातन पद्धति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। संस्कृति और सभ्यता का संवर्धन करने के लिए विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। वहीं दृष्टि बदलती है तो सृष्टि बदल जाती है। माता-पिता, शिक्षक के बाद

संसद में नीट पर हंगामा

आमने-सामने आए सरकार और विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र से शुरू हो गया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नीट में हुई गड़बड़ी पर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग की। शिक्षा मंत्री बोले- मामला सुप्रीम कोर्ट में है और कोर्ट का जो भी निर्देश होगा हम उसे मानेंगे। कोर्ट ने सभी छात्रों के सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी करने को कहा था, जो पब्लिक डोमेन में है। राहुल गांधी ने कहा- देश को दिख रहा है कि परीक्षा सिस्टम में बहुत सी कमी है। शिक्षा मंत्री ने सबकी कमी गिना दी, लेकिन अपनी नहीं गिनाई। हमारा एग्जाम सिस्टम फ्रॉड है। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा- सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है।

जम्मू में शौर्य चक्र विजेता के घर आतंकी हमला

● सेना की फायरिंग में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के राजौरी के घोंधा में सोमवार (22 जनवरी) सुबह आतंकियों ने एक शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। घटना सुबह 3.10 बजे हुई। हमले की खबर लगते ही 63 आरआर आर्मी कैंप से आई टुकड़ी ने जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकी को मार गिराया। आतंकी की पहचान नहीं हो पाई है। शौर्य चक्र विजेता की पहचान पुरषोत्तम कुमार के रूप में हुई है। उन्हें पिछले महीने दो आतंकियों को मारने के बाद यह सम्मान मिला था।

एससी ने नीट के विवादित सवाल की जांच के दिए आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर एक्सपर्ट पैनल बनाएं, आज 12 बजे तक रिपोर्ट दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिजिक्स के 2 सही ऑप्शन वाले क्वेश्चन नंबर 19 की पड़ताल होनी चाहिए। 2 सही ऑप्शन देने से 44 स्टूडेंट्स को बोनस मार्क्स मिले और 4.2 लाख कैंडीडेट्स को नुकसान हुआ है। इस पर आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की राय लेनी चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर 2 जवाबों वाले सवाल की जांच के लिए एक 3 मेंबर्स की एक्सपर्ट कमेटी बनाएं। एक्सपर्ट टीम उनमें से एक सही ऑप्शन चुनकर 12 बजे तक रजिस्ट्रार को अपनी राय भेजें। नीट गड़बड़ी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने सुनवाई खत्म हुई। यह चौथी सुनवाई थी। अगली सुनवाई कल यानी मंगलवार को होगी। इसके अलावा,एजेंसी

ने याचिकाकर्ताओं से आज शाम तक आधे पेज में नीट यूजी रीटेस्ट के पक्ष में तर्क का रिटन सबमिशन ई-मेल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने माना कि 3300 स्टूडेंट्स को गलत पेपर मिला।

● **सरकार ने माना-** 3300 नीट कैंडीडेट्स को गलत पेपर मिला

नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने सुनवाई जारी है। यह चौथी सुनवाई है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने माना कि 3300 से ज्यादा स्टूडेंट्स को गलत पेपर दिया गया था। इन्हें केनरा बैंक का पेपर बांटा गया था। सीजेआई ने कहा- हमारे पास अभी तक यह बताने के लिए कोई सबूत नहीं है कि पेपर लीक कितना व्यापक था और पूरे देश में फैला हुआ था। आरोपियों के बयान अलग-अलग हैं। अगर पेपर लीक (4 मई) की रात को हुआ है, तो जाहिर है कि लीक ट्रांसपोर्टेशन के दौरान नहीं, बल्कि स्ट्रॉन्ग रूम वॉल्ट से पहले हुआ था। सीनियर एडवोकेट नरेंद्र हुड्डा के साथ संजय हेगड़े ने जिरह की।

गुरु वंदना महोत्सव 27 को , 7 श्रेष्ठ कला आचार्यों का सम्मान होगा

भोपाल। साहित्य संगीत और कलाओं की अग्रणी मानक संस्था मधुवन अपने पारम्परिक गुरु शिष्य परंपरा पर एकाग्र 54वें गुरु वंदना महोत्सव का आयोजन 27 जुलाई को मानस भवन में करने जा रही है।

मधुवन संस्था के निदेशक पंडित सुरेश तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में प्रदेश के विविध कला जगत के 7 श्रेष्ठ कला गुरुओं का उनकी दीर्घकालीन अनवरत साधना के लिये सम्मान किया जाएगा।मानस भवन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में शीर्ष साहित्यकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, रंगकर्म के क्षेत्र में उदय शहाणे,संगीत विधा में उज्जैन के रमाकांत दुबे ,धर्म,संस्कृति, ज्योतिषी पंडित भंवर लाल शर्मा,पत्रकारिता में राजेश बादल, तबला गुरु अजय सोलंकी तथा लोककला के क्षेत्र में डा महेश चंद्र शांडिल्य को कला आचार्य की मानद उपाधि से विभूषित कर सम्मानित किया जाएगा। समारोह में विधायक रामेश्वर शर्मा मुख्य अतिथि तथा शिक्षाविद संतोष चौबे महोत्सव की अध्यक्षता करेंगे।

छात्रों ने संस्कृत में पढ़ा श्लोक, स्कूल प्रिंसिपल पर एफआईआर

गुना में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा, नारेबाजी; प्रिंसिपल ने माफी भी मांगी

गुना (नप्र)। गुना में प्राइवेट स्कूल के बाहर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। पुलिस से धक्कामुक्की की। नारेबाजी भी की गई। कार्यकर्ताओं ने स्कूल बंद कराने की धमकी भी दी। कार्यकर्ता स्कूल में छात्र को श्लोक पढ़ने से रोकने पर नाराज थे। बाद में स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ केस दर्ज किया गया। हालांकि प्रिंसिपल ने माफी भी मांग ली।

15 जुलाई को वंदना कॉन्वेंट स्कूल में मॉर्निंग प्रेयर के दौरान छठवीं क्लास के तीन छात्र संस्कृत का श्लोक पढ़ रहे थे। इसी दौरान मौजूद टीचर ने उससे माइक छीन लिया। डांट लगाते हुए कहा, 'श्लोक यहां नहीं पढ़ा जाएगा। कोई भी छात्र हिंदी में नहीं बोलेगा। यहां केवल अंग्रेजी बोली जाएगी।' यह कहकर उसे हटा दिया गया।

दो दिन पहले घर बताया, तब मामला सामने आया- छात्रों ने यह बात परिजन को नहीं बताई। शनिवार को बात-बात ने एक छात्र ने अपने पिता को पूरी बात बता दी। इसके बाद मामला सामने आया। पिता ने हिंदू संगठनों और एबीवीपी कार्यकर्ताओं को बता दिया। जिला शिक्षा अधिकारी से भी शिकायत कर दी। एबीवीपी के कार्यकर्ता प्रदर्शन के दौरान गेट के ऊपर से चढ़कर स्कूल के अंदर दाखिल हुए।

डीईओ ने दिया नोटिस, स्कूल का जवाब- रविवार को जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसौदिया ने स्कूल के प्रिंसिपल को नोटिस दिया। जवाब ने स्कूल मैनेजमेंट ने शाम 6 बजे तक सफाई पेश की। कहा- 'सुबह असेंबली के दौरान सिलेक्टेड छात्रों की स्पीच का क्रम हिन्दी व इंग्लिश में दिया जाता रहा है। उस दिन में अंग्रेजी में स्पीच देना तय था, लेकिन छात्र ने स्पीच हिन्दी में शुरू की। टीचर ने हिंदी में बोलने के लिए कहा। प्रार्थना सभा में रोजाना विभिन्न धर्म ग्रन्थों से लिए उद्धरण बोले जाते हैं।'

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने स्कूल पहुंच कर नारेबाजी- सोमवार सुबह करीब 11 बजे एबीवीपी के कार्यकर्ता इसके विरोध में इकट्ठा होकर स्कूल पहुंच गए।

भोपाल में 5 करोड़ से बने ब्रिज की रिपेयरिंग

कलियासोत नदी पर सर्वधर्म ब्रिज, स्पान के ज्वाइंट खुले; शिकायत के बाद जांच शुरू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार रोड स्थित कलियासोत नदी पर 5 करोड़ रुपए से बने ब्रिज पर सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस ने गड़बड़ी की शिकायत की। इधर, स्पान के ज्वाइंट की रिपेयरिंग भी पीडब्ल्यूडी ने शुरू कराई है। जहां ज्वाइंट खुले हैं, उसके आसपास के क्षेत्र को कवर किया है।

सर्वधर्म कॉलोनी में पुराने ब्रिज से सटकर ही नया ब्रिज बना है। इसके ऊपर से कुछ महीने पहले ही ट्रैफिक शुरू हुआ है, लेकिन उद्घाटन नहीं हुआ। उद्घाटन से पहले ही नए ब्रिज के स्पान के ज्वाइंट खुल गए। सर्व-धर्म के पास कलियासोत नदी पर बने नए ब्रिज के स्पान खुलने के बाद उसकी मरम्मत शुरू की गई है। इसके चलते आसपास के क्षेत्र को इस तरह से कवर किया है।

शिकायत के बाद रिपेयरिंग शुरू की- इस मामले में तीन दिन पहले कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता आरके मेहरा से शिकायत की। कहा- ब्रिज भ्रष्टाचार का शिकार हुआ है। ब्रिज के स्पान के ज्वाइंट खुल गए हैं। वहीं, सीमेंट कांक्रीट की परत भी उखड़ने लगी है।

कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ समेत अन्य कांग्रेसियों ने जांच की मांग की। जिलाध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि शिकायत के बाद प्रमुख अभियंता मेहरा ने जांच के आदेश दिए। तकनीकी समिति निरीक्षण कर जांच करेगी। जांच के दौरान ही पीडब्ल्यूडी ने रिपेयरिंग शुरू कराई है।

आसपास के क्षेत्र को कवर किया- पीडब्ल्यूडी ने शनिवार और रविवार को ब्रिज की मरम्मत की। इसके दोनों ओर के क्षेत्र को भी कवर किया है। हालांकि, इससे ट्रैफिक भी बाधित हो रहा है।

एनएचएम के 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर

बोले- कैबिनेट के फैसले के बाद भी नियम लागू नहीं हो रहे, मांगें पूरी नहीं हुईं तो बड़ा निर्णय लेंगे

भोपाल (नप्र)। एनएचएम में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज पूरे प्रदेश में हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि सरकार ने हमसे जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया गया है। इसके विरोध में विरोध में प्रदेश के 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर हैं।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विजय ठक्कर ने बताया कि कैबिनेट द्वारा संविदा नीति 2023 को बहुत पहले ही मंजूरी दे दी गई है। मंत्रिपरिषद ने इसे जल्द लागू करने के निर्देश विभागों को दिए थे। एक वर्ष बाद भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा लागू नहीं किया है। संविदा नीति 2023 के प्रावधान लागू नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 32 हजार एचएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मी सामूहिक छुट्टी लेकर सेवा के दौरान मृत हुए साथियों के परिवार को न्याय दिलाने राज्य स्तरीय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन एचएचएम कार्यालय भोपाल के सामने करेंगे।

नहीं तो करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

विजय ठक्कर ने कहा कि एनएचएम संविदा कर्मियों के लिए नीति लागू करने के आदेश जारी नहीं हो रहे हैं। लेकिन, स्वास्थ्य संचालनालय भोपाल द्वारा स्वास्थ्य विभाग के नियमित पदों के विरूद्ध सेवाएं दे रहे संविदा कर्मियों के आदेश पिछले वर्ष ही जारी कर दिए गए है। ग्रेड- पे सुधार को लेकर 36 से अधिक केडर अपनी अपील प्रस्तुत कर चुके हैं। एक साल हो गया अपील का निराकरण नहीं किया गया है। प्रदेश के 32 हजार एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे है। हमने यह निर्णय लिया है। अगर हमारी मांगे नहीं मानी गईं तो जल्द ही अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं काम बंद, कलम बंद का सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

क्या हैं मांगें

- एनपीएस 5 लाख रुपए का आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा संविदा कर्मियों और परिवार को उपलब्ध कराना।
- ग्रेच्यूटी, अनुकंपा नियुक्ति दी जाए।
- प्रतिवर्ष सीपीआर दर के अनुरूप इंक्रीमेंट।
- शासकीय कर्मचारियों के समान समस्त अवकाश।
- शासकीय भर्तियों में संविदा कर्मियों को 50 प्रतिशत का आरक्षण का लाभ।
- ऐसी सुविधाएं हैं जो मानव संसाधन नीति के द्वारा स्पष्ट तौर पर लागू होगी जिसे जारी करने में एनएचएम ने कोई संज्ञान अब तक नहीं लिया है।

सावन सोमवार का 71 साल बाद ऐसा संयोग

मंदिरों और घरों में ब्रह्ममुहूर्त से हो रहे थे रुद्राभिषेक, ऊँ नम : शिवाय से गूंजे शिवालय

भोपाल (नप्र)। 22 जुलाई से सोमवार से सावन माह की शुरुआत हो गई है। पूरे माह 6 विशेष संयोग का योग है। 71 साल बाद ऐसा खास संयोग बन रहा है कि सावन की शुरुआत सोमवार से हो रही है और यह माह सोमवार को ही समाप्त होगा। 22 जुलाई को ब्रह्ममुहूर्त से ही घरों और मंदिरों में रुद्राभिषेक हुए। शहर सभी मंदिरों में भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी, शिवालय ऊँ नमः शिवाय से गूंज रहे हैं।

भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए यह माह विशेष है। शहरवासियों ने सावन का पहला सोमवार को विशेष पूजन की तैयारी पहले से ही कर ली थी। रविवार को पूजन-पाठ की सामग्री बेचने वाली दुकानों पर भीड़ रही। इसके साथ ही मंदिरों में भी अनुष्ठान के अलावा पूजा, अभिषेक के खास इंतजाम किए गए हैं। शहर में विभिन्न स्थानों पर पूरे माह में करीब सवा करोड़ से ज्यादा पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जाएगा। इसी के साथ कई मंदिरों में भजन होंगे।

बड़वाले महादेव मंदिर में विशेष श्रृंगार- बड़वाले महादेव मंदिर में शाम को बाबा बटेश्वर का मनमहेश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल ने बताया प्रातः काल नियमित एवं समिति के संकल्पित सेवादारों द्वारा रुद्राभिषेक होगा। इसके बाद शाम 6 बजे से श्रृंगार होगा। रात 8 बजे महाआरती, भजन संध्या, महामृत्युंजय जाप एवं मध्य रात्रि में शयन आरती हुई।

इस माह 150 कथाएं पूरे शहर में- भोपाल और आसपास के इलाकों में 150 श्रीमद् भागवत कथा, श्रीराम कथा, शिवपुराण का आयोजन किया जा रहा है।

गुफा मंदिर में थी श्रद्धालुओं की भीड़- गुफा मंदिर में ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं की भीड़ थी। यहां गुफा स्थित शिवलिंग की पूजन के लिए लोग ब्रह्ममुहूर्त से भी पहले पहुंच गए थे। मंहत रामप्रवेश दास जी महाराज ने पंडित लेखराज शर्मा के आचार्यत्व में विशेष पूजा कराई इसके बाद मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस 22 जुलाई के अवसर पर नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज ही के दिन हमारे देश में तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार किया गया था। माँ भारती की सेवा के लिए अप्रतिम ऊर्जा और प्रेरणा देने वाला तिरंगा प्रत्येक भारतवासी के लिए आन-बान-शान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पावन अवसर पर सभी नागरिकों को राष्ट्र की सेवा के लिए अपने नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन और अधिकारों के संरक्षण के लिए संकल्प लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को बनाया प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का नया मंत्र

अंचलों के लघु और मध्यम श्रेणी के उद्यमियों को प्रोत्साहन की हुई सामयिक पहल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजनों से प्रदेश में औद्योगिक क्रांति के नए द्वार खोल दिये है। उनके औद्योगिक प्रगति के नए मंत्र से आंचलिक उद्यमियों को नई ऊर्जा मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लघु और मध्यम श्रेणी (एमएसएमई) के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण और सामयिक पहल की है। इसी का परिणाम है कि गत 20 जुलाई को जबलपुर में सम्पन्न रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में वृहद इकाइयों के साथ ही एमएसएमई इकाइयों की स्थापना के लिए निवेशकों ने लगभग 22 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं। यह निवेश बड़ी संख्या में रोजगारों का सृजन करेगा।

लगभग 22 हजार करोड़ रूपए के प्रस्ताव आए, वृद्धि की संभावना

प्रदेश में वृहद इकाइयों की स्थापना के लिए 17 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव और एमएसएमई इकाइयों की ओर से प्राप्त 5 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस तरह जबलपुर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में छोटे-बड़े उद्योगों की ओर से कुल 22 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की भूमिका से इस माह इनमें निरंतर वृद्धि भी होगी। इसके लिए प्रमुख उद्योगपतियों से संवाद का सिलसिला निरंतर जारी है। जबलपुर आरईसी में सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव रक्षा उपकरण निर्माण से संबंधित 600 करोड़ रूपए का है। इसके अंतर्गत अशोक लीलैंड एवं आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा भी हो गया है। यह प्रस्ताव मध्यप्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

क्षेत्रीय स्तर पर उद्योगों के विकास की पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय स्तर पर उद्योगों के विकास की ठोस पहल की है। इसके लिए के नवीन मंत्र का उपयोग प्रभावी तरीके से प्रारंभ किया गया है। गत मार्च माह में उज्जैन में सम्पन्न रीजनल कॉन्क्लेव के बाद महाकौशल अंचल के प्रमुख नगर और औद्योगिक केन्द्र जबलपुर में हुई कॉन्क्लेव अनेक अर्थ में महत्वपूर्ण रही। कॉन्क्लेव से जहां प्रदेश में 67 नई औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और भूमिपूजन सम्पन्न हुए, वहीं 265 औद्योगिक इकाइयों को 340 एकड़ भूमि आवंटित की गई। नई इकाइयों से प्रदेश में 16 हजार 500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। कुल 332 इकाइयों द्वारा 3330 करोड़ रूपए का नया निवेश आ रहा है।

मालवा और महाकौशल के बाद अन्य अंचलों पर नजर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी अंचलों में आरईसी के आयोजन के निर्देश दिए थे। आगामी माहो में प्रदेश के अन्य बड़े नगरों में भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित करने की योजना है। इनमें सागर, रीवा और ग्वालियर शामिल हैं। इससे बुंदेलखंड, विंध्य और चम्बल क्षेत्र में स्थानीय उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। विभिन्न क्षेत्रों में छोटी और मध्यम श्रेणियों की इकाइयों का संचालन करने वाले उद्यमी शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेने के लिए अग्रसर होंगे। विशेष रूप से कृषि, फूड प्रोसेसिंग, खनिज, रक्षा उत्पादन, पर्यटन और वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभ किए गए प्रयास सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

वन-टू-वन बैठकों से कठिनाइयों का निकल रहा त्वरित समाधान

प्रदेश में हो रही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बहुआयामी गतिविधियों के कारण उद्योगों के विकास का आधार बन रही हैं। ये कॉन्क्लेव जहां बायर- सेलर मीट के माध्यम से महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होती हैं, वहीं वृहद औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और प्रमुख उद्योगपतियों के बीच वन-टू-वन बैठकें मील का पत्थर का साबित होंगी। उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाओं को प्रदाय करने में जहाँ कोई बाधा या कठिनाई सामने आती है, वन-टू-वन बैठकें ऐसी कठिनाइयों को दूर कर त्वरित समाधान में सहायक बनती हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एमएसएमई सेक्टर की भूमिका निरंतर महत्वपूर्ण बन रही है।

मंत्री डॉ. शाह ने मृगनयनी एम्पोरियम का निरीक्षण कर खरीदे परिधान

भोपाल (नप्र)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने सोमवार को वल्लभ भवन क्र.-3 के भूतल स्थित मृगनयनी एम्पोरियम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने एम्पोरियम के जरिये बेचे जाने वाले वस्त्रों व उत्पादों की जानकारी ली और प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री डॉ. शाह ने एम्पोरियम में प्रदर्शित वस्त्रों पर रूचि व्यक्त की और अपनी जरूरत व पसंद के अनुसार एम्पोरियम से परिधानों की नकद खरीदारी की। उन्होंने कहा कि हाथ से बने वस्त्रों की बात की कुछ और है। यह आकर्षक होने के साथ टिकाऊ भी होते हैं। उन्होंने आगे भी यहीं से परिधान खरीदने की इच्छा व्यक्त की। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल को जब यह जानकारी मिली, तो उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनजातीय कार्य मंत्री से व्यक्तिशः मिलकर उनका आभार व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों सहित अन्य उत्पादों के विकास के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहा है। उल्लेखनीय है कि मृगनयनी एम्पोरियम्स कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित किये जाते है। मृगनयनी एम्पोरियम्स में खादी से बने वस्त्र, परिधान, चादर, कॉसे, ताम्बे से बने खिलौने, बर्तन, मूर्तियां, झूमर, झालर आदि विक्रय किये जाते हैं।

श्यामला हिल्स में तोड़ा अतिक्रमण

पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई ; कांग्रेस ने मुआवजे की मांग की

भोपाल (नप्र)। भोपाल के श्यामला हिल्स इलाके में सोमवार सुबह जिला प्रशासन और नगर निगम ने छह पक्के अतिक्रमण तोड़े। इनमें मकान और दुकानें थीं। पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। ताकि, कोई हंगामा न हो। इधर, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कार्रवाई को गलत बताया। वहीं, तोड़े गए मकान-दुकानों के लिए मुआवजा देने की मांग की।

श्यामला हिल्स स्थित जहांनुमा होटल के सामने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण था। जिसे हटाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से पक्के अतिक्रमण तोड़ दिए गए।

मकान तोड़ने का विरोध किया- कार्रवाई का कांग्रेस के वार्ड-24 अध्यक्ष शोएब खान ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया। खान ने बताया कि इन मकानों को नगर निगम और जिला प्रशासन ने बिना नोटिस दिए ही तोड़ दिया। पूर्व मंत्री शर्मा ने मोबाइल पर अधिकारियों से बात करके कार्रवाई को रुकवाया। हालांकि, तब तक ज्यादातर मकान-दुकानें तोड़ दी गई थी। उन्होंने मुआवजे की मांग उठाई है। इस जगह पर परिवार पिछले 70 साल से रह रहे थे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति का गठन

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने भारत सरकार द्वारा सिडबी कलस्टर डेवलपमेन्ट फण्ड के संचालन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त संचालन समिति का गठन किया है।

समिति में अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, प्रमुख सचिव वित्त, लोक निर्माण,पर्यटन,औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, को सदस्य बनाया गया है। संचालक बजट, सदस्य सचिव होंगे।

समिति प्रशासकीय विभागों द्वारा प्रस्तावित ऐसी परियोजनाओं का परीक्षण कर अपनी अनुशंसा देगी, जिसके लिये सिडबी कलस्टर डेवलपमेंट फण्ड अंतर्गत ऋण प्राप्त किया जाना प्रस्तावित किया जायेगा। समिति द्वारा योजना/परियोजना की आवश्यकता, उससे राज्य को होने वाले लाभ, उसकी लागत व आर्थिक दृष्टि से उसकी उपयोगिता जैसे बिन्दुओं पर विचार किया जायेगा। यदि किसी अन्य प्रशासकीय विभाग की योजना/परियोजना सिडबी कलस्टर डेवलपमेंन्ट फंड अंतर्गत ऋण सहायता की परिधि में आती है, उस स्थिति में संबंधित प्रशासकीय विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव को बैठक में आमंत्रित किया जायेगा।

समिति सिडबी कलस्टर डेवलपमेन्ट फंड से संबंधित अधिकारियों को भी समीक्षा बैठक में आमंत्रित कर सकेगी। सिडबी कलस्टर डेवलपमेंट फंड की समीक्षा के लिए समिति की बैठक आवश्यकतानुसार त्रैमासिक रूप से आयोजित की जायेगी।

अमरगढ़ झरने पर 5 मिनट रुके...तभी बढ़ गया पानी

भोपाल का परिवार 5.30 घंटे टापू पर बैठा रहा; सुरक्षित निकले तब मिली राहत

सीहोर/भोपाल (नप्र)। शाम साढ़े 4 बजे अमरगढ़ वाटर फॉल पहुंचे थे, तभी नदी में पानी बढ़ने लगा। 5 मिनट में वापस लौटने लगे, लेकिन तब तक नदी में दोनों ओर से इतना पानी बढ़ गया कि नदी पार नहीं कर सके। टापू में ही फंस गए। करीब 5.30 घंटे तक फंसे रहे। जब बाहर निकले, तब जान में जान आई।

यह दास्तां सीहोर के शाहगंज के पास अमरगढ़ वाटर फॉल में फंसे भोपाल के परिवार की है। साढ़े 5 घंटे फंसे रहने से परिवार डर गया, लेकिन हौसला नहीं छोड़ा। रेस्क्यू कर जब उन्हें बचाया गया, तो चेहरे पर खुशी नजर आई। लालघाटी स्थित सनसिटी कॉलोनी में रहने वाले अशोक माहेश्वरी (61), निशा माहेश्वरी (58), शुभम (32), सुरुचि (30) और यश (28) रविवार को अमरगढ़ वाटर फॉल घूमने पहुंचे थे, लेकिन नदी में पानी का बहाव तेज होने पर फंस गए थे। रात में ही रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला गया था।

हमें मालूम नहीं था, वरना जाते ही नहीं

परिवार के मुखिया अशोक माहेश्वरी ने बताया, दोपहर 12.30 बजे भोपाल से अमरगढ़ के लिए निकले थे। दोपहर 3.30 बजे पहुंचे। झरने की तरफ जाने वाले रास्ते से पहले ही ट्रैक्टर वालों ने रोक लिया। उन्होंने झरने तक आसानी से ले जाने की बात कही। नहीं मालूम था कि झरने पर जाना प्रतिबंधित है। पता होता, तो कभी नहीं जाते। एक घंटे में हम झरने के करीब पहुंच गए, तभी दोनों ओर से नदी का पानी बढ़ने लगा। 5 मिनट में ही वहां से निकल गए थे, पर नदी पार नहीं कर पाए, क्योंकि नदी में पानी का बहाव तेज हो गया था। इस कारण नदी के करीब ही रुकना मुनासिब समझा। रेस्क्यू किए जाने के बाद सुरक्षित बाहर निकल गए। रात साढ़े 11 बजे भोपाल पहुंचे।

ऐसे किया रेस्क्यू

परिवार को बचाने के लिए दोनों ओर बड़े रस्से बांधे गए। ट्रैक्टर के सहारे रस्से बांधे गए थे। इसके बाद सभी को बाहर निकाला गया था। परिवार के पांच सदस्य काफी समय से फंसे थे। जैसे ही, उन्हें बाहर निकाला, उनके चेहरे खिल उठे। उन्होंने रेस्क्यू टीम का धन्यवाद भी किया।

झरने पर जाना प्रतिबंधित... रोकने के लिए सबकुछ कर रहे

शाहगंज थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि अमरगढ़ वाटर फॉल पर जाना प्रतिबंधित है। जाने वाले सभी रास्तों पर जवान तैनात रहते हैं। वहीं, झरने के आसपास जालियां भी लगाई गई हैं। गाड़ियां न गुजरें, इसलिए गड्ढे खोदे गए हैं। बावजूद लोग जान खतरे में डालकर झरने के पास पहुंच जाते हैं। कई बार वे दूसरे रास्तों से पहुंच जाते हैं। शनिवार और रविवार को संख्या ज्यादा रहती है, इसलिए सभी पॉइंट पर पुलिस जवान तैनात करेंगे।

संपादकीय

देश की आर्थिकी की गुलाबी तस्वीर!

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने अपने वर्ष 2024-25 के वार्षिक बजट के पहले देश का जो आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया है, वह देश की अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर दिखाने की कोशिश ज्यादा है। समूचे वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में देखें को भारत की जीडीपी ग्रोथ नए वित्तीय वर्ष में 6.5-7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो बहुत अच्छी भले न हो पर संतोषजनक जरूर कही जा सकती है। आर्थिक सर्वेक्षण से साफ है कि नए बजट में कृषि, निजी क्षेत्र और पीपीपी मोड पर ज्यादा जोर दिए जाने की संभावना है। देश में रोजगार को लेकर बढ़ते असंतोष को देखते हुए सरकार का मानना है कि ये तीन क्षेत्र बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा कर सकते हैं। सरकार अपने यहां ज्यादा नौकरियां नहीं दे सकती। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है। सर्वे के अनुसार खराब ऋणों की विरासत के कारण पिछले एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कम हुआ पर 2021-22 की तुलना में इसमें सुधार हुआ है।

आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर और निजी निवेश में निरंतर गति से पूंजी निर्माण वृद्धि को बढ़ावा मिला है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 2023-24 में वास्तविक रूप से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश का राजकोषीय घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 1.6 प्रतिशत अंक बढ़ा। गौरतलब है कि हर साल देश का केंद्रीय बजट पेश करने के एक दिन पहले देश के वित्त मंत्री लोकसभा और राज्यसभा में आर्थिक सर्वे पेश करते हैं। यह दस्तावेज बजट का मुख्य आधार होता है और इससे देश की अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आती है। आर्थिक सर्वे को पिछले वित्तीय वर्ष हुई आमदनी और खर्चे की समीक्षा के आधार पर तैयार किया जाता है। आर्थिक सर्वे को पिछले वित्तीय वर्ष हुई आमदनी और खर्चे की समीक्षा के आधार पर तैयार किया जाता है। इसके जरिए सरकार देश की अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिति की बारे में जानकारी देती है। आर्थिक सर्वे से हमें पता चलता है कि किसी खास वित्तीय वर्ष के दौरान देश में विकास का रुख कैसा रहा। किस क्षेत्र से कमाई हुई और सरकार की योजनाएं किस तरह लागू की गईं। आर्थिक सर्वेक्षण को दो हिस्सों में पेश किया जाता है। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों, प्रमुख आर्थिक आंकड़े और क्षेत्रवार आर्थिक रुझानों के बारे में विस्तार से बताया जाता है। इस सर्वेक्षण में आम जनता को महंगाई, बेरोजगारी के आंकड़े तो मिलते ही हैं। इसके साथ ही निवेश, बचत और खर्च करने के तरीके का भी पता चलता है। आर्थिक सर्वेक्षण के पहले हिस्से में देश की अर्थव्यवस्था की जमीनी हकीकत की जानकारी साझा की जाती है। वहीं दूसरे हिस्से में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख आंकड़े प्रदर्शित किए जाते हैं। देश के आर्थिक सर्वेक्षण से जुड़ा दस्तावेज आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से मुख्य आर्थिक सलाहकार के मार्गदर्शन में पेश किया जाता है। तैयार होने के बाद आर्थिक सर्वे को वित्त मंत्री अपना अनुमोदन देती हैं। देश का पहला आर्थिक सर्वे वर्ष 1950-51 में पेश किया गया था। पहले इसे बजट के दिन ही पेश किया जाता था। वर्ष 1964 से इसे बजट से एक दिन पहले पेश किया जाने लगा। वैसे प्रधानमंत्री ने बजट से पहले अपने भाषण में कहा है कि यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे ले जाने वाला होगा।

नजरिया

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

आपदा की अनदेखी के नतीजे

उत्तराखंड की 16-17 जून 2013 की आपदा को हर समय याद किया जायेगा। इस जल-प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ मृतकों की संख्या करीब 6 हजार थी। रामबाड़ा, तिलवाड़ा, अगस्तमुनि, गुप्तकाशी में भारी नुकसान हुआ था। 4200 गांव प्रभावित हुये थे। इसके बाद जीवट वाले लोग सालों-साल केदारनाथ में ही रहकर बर्फीले तूफानों में पुनर्निर्माण करते रहे हैं। 2014 में ऐसी हवाई-पट्टी भी बनी जहां भारतीय वायुसेना का विशालकाय भारवाहक हेलीकॉप्टर उतर सकता था, किन्तु स्थानीय प्रकृति और पारिस्थितिक पुनर्निर्माण के कार्य, जो साथ होने थे, वे न हुये न हो रहे हैं। उनके प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता भी नहीं है।

तभी तो 30 जून 2024 को प्रातः लगभग पांच बजे मंदिर परिसर से पांच किलोमीटर दूरी पर 'गांधी सरोवर' में जो हिमस्खलन हुआ था और जिसे वहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने बर्फ के पहाड़ का अचानक भरभराना बताया था, उसे इस क्षेत्र के लिये सामान्य बता दिया गया। सन् 2022, 2023 में भी ऐसा ही हुआ था और तब भी इसे सामान्य बता दिया गया था। जब ऐसी अवांछित अनहोनियां होती हैं तो मनोवैज्ञानिक रूप से सहमे लोग, आगे फिर कुछ ऐसा ही न घट जाये, की आशंका में जीते रहते हैं। केदारधाम के संदर्भ में आप मानें, न मानें अधिकांश स्थानीय जन आज भी सांस रोके रहते हैं।

यदि हम समस्याओं की जड़ में जाये बिना 'ऐसा ही होता है' कहने पर आ जायें तो भूस्खलनों के समय, जंगल की आग के समय, फ्लैश-फ्लड्स के मामलों में भी कह देंगे कि यह तो होता ही है। न भूलें, पूरे विश्व की चिंता जलवायु बदलाव के दौर में हिमालयी ग्लेशियरों में आये संकट की है। पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। हिमालयी ग्लेशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है। ये भी न भूलें कि भारी बरसात में अभी 30 जून की आपदा में करीब 7 किमी लम्बाई के चोरबाड़ी ग्लेशियर में 3865 मीटर्स की ऊंचाई पर स्थित चोराबाड़ी झील, जिसे 'गांधी सरोवर' कहा जाता है, अपनी परिधि में टूट गई थी। इसके भारी मलबे व अथाह जलराशि ने केदारनाथ धाम को अपनी चपेट में लिया था।

चोरबाड़ी ग्लेशियर के स्रौटों से ही चोराबाड़ी झील के साथ मंदाकिनी नदी का स्त्रोत भी बनता है। बढ़े हिम पिघलाव व बहाव से मंदाकिनी जगह-जगह विकराल होती गई। कहीं-कहीं इसका जल-स्तर 15 मीटर्स तक भी चढ़ गया था। पहले समस्त केदारघाटी में 2013 की भयावह आपदा आई थी, आज हालात पहले से भी ज्यादा खराब हैं। लाखों की संख्या में हर सीजन में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। उनकी उपस्थिति और गतिविधियां 'हीट-आईलैंड' न बनायेंगी ये भी तो नहीं कहा जा सकता। दिन भर की सौ से ज्यादा हैलीकॉप्टर उड़ानें केदारनाथ अभयारण्य के वन्य जीवों व ग्लेशियरों की ताजा बर्फ में भी कम्पन पैदा करती हैं। ऐसा लगता है कि 2013 की आपदा से हमने कुछ सीखा नहीं, उल्टे केदारपुरी को सुविधायुक्त भव्यता वाला कस्बा बनाकर ही भुला चाहते हैं।

हम सामाजिक पुनर्वास और आपदाग्रस्त ग्रामीण समुदायों के पुनर्निर्माण में भी चूके हैं। 2013 की आपदा के बाद चमोली, रूद्रप्रयाग जिलों के गहन मैदानी अध्ययनों में उभरकर आया था कि आपदाओं के कुप्रभाव कम-से-कम हों उसके लिये सरकार व आम जन को अपनी कार्यशैलियों व सोच में बदलाव लाना होगा, पर ये बातें ज्यादा दिन न रह पाईं। यह 'शमशान वैराग्य' जैसा था। ये वो बातें हैं, जिन्हें सामाजिक कार्यकर्ता या विशेषज्ञ पहले कहते थे, तो कोई ध्यान नहीं देता था।

छिन्न-भिन्न आजीविका को पटरी पर लौटाने के लिए क्या कार्यक्रम लिये जायें ये जानने के लिए आज भी यदि आप आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जायें तो एक स्वर से सुनेंगे कि हम ऐसी आजीविका अपनाना चाहते हैं, जो केवल तीर्थयात्रियों के भरोसे न हो। मौसम की मार या कोरोना जैसी महामारियां स्थानीय लोगों के नियंत्रण में तो नहीं ही हैं। ऐसे में यात्रा-काल में मौसम क्या गुल खिलायेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। वैसे भी बे-मौसम बर्फबारी होती रही है।

स्थानीय लोग यात्रा-सीजन में इतना कमाने का भरोसा रखते थे, जो उन्हें बाकी वर्ष के लिए पर्याप्त रहे, किन्तु 2013 की आपदा में खच्चरों को गंवा चुका खच्चर वाला भी फिर से खच्चर लेने के पहले इसका भी हिसाब-किताब कर रहा था कि उसके खच्चरों के लिए आसपास में ही कितना काम मिल पायेगा। अन्यथा यात्रियों के भरोसे न रहकर वह कोई दूसरा काम करने की सोच रहा था।

दुखद स्थितियों में तब केदार क्षेत्र के कई परिवारों को चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर आ गई थी, इसलिए उन्होंने आजीविका के उन्हीं कार्यों को अपनाना पसन्द किया था जिनमें उन्हें बाहर न जाना पड़े। गाय-भैंस पालन, टेलरिंग, बागवानी, दुकान चलाने जैसे काम उन्होंने अपनाये थे। इनको दक्षता देने व इनके समूह बनाने के जो काम होने चाहिए थे, वे नहीं हुये, क्योंकि वे परियोजनाओं पर निर्भर थे। आपदा राहत की तात्कालिक परियोजनायें जब खत्म हुईं तो वो भी खत्म हो गईं।

इसी प्रकार पहले जब देवभूमि के आस्थावान व 'उत्तराखंड राज्य निर्माण' के आन्दोलनकारी भोग-विलास वाले, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पर्यटन व तीर्थाटन को बढ़ावा न देने के लिए चेताते थे तो कोई नहीं सुनता था, परन्तु जून 2013 की आपदा के बाद स्थानीय लोग ही, जिनमें व्यवसायी भी थे, कहते हुए मिल रहे थे कि यह तो होना ही था। जो कुछ तीर्थ-क्षेत्रों में नहीं होना चाहिए था, उसको भी करने में यहां परहेज नहीं होता था। 2013 में कई स्थानीय व्यवसायी खुद अपने व्यवसायिक आचरण को सवालों के घेरे में रखने से नहीं हिचकिचाये थे। प्रतिबंधित पदार्थों की खेपें आज भी क्षेत्र में पकड़ी जाती हैं। तीर्थयात्रा में पर्यटन का कोण आज और भी ज्यादा बढ़ गया है।

पिछली आपदा ने मजबूरन लोगों को इस तथ्य को भी देखने को मजबूर किया है कि जहां-जहां नदियों के तटों पर अतिक्रमण हुआ और जहां-जहां सड़कों व परियोजनाओं का मलबा पड़ा, वहां-वहां नदियों ने विनाश भी किया व अपनी राह भी बदली। अतः एक तरफ तो नदियों को उनकी जमीन लौटाने व उनके अविरल बहने के पक्ष में और दूसरी तरफ मशीनों से मनमानी, पहाड़ों को अस्थिर करने वाली कटानों के विरूद्ध जनमत बना है।

वैकल्पिक जंगल के रास्तों, पैदल मार्गों को ढूंढने, उनको मजबूत करने, जलस्त्रोतों को पुनः संरक्षित करने, पलायन रोकने, यात्रियों की संख्या सीमित करने, उनको पंजीकृत करने, मौसम की चेतावनी पर यात्रा को सीमित करने के सरकार के आज होते काम भी आपदा से मजबूरी में ली गई सीख ही मानी जा सकती है। खेद है कि इस संवेदनशील क्षेत्र में कम-से-कम हवाई पट्टियों की बाढ़ लाने में सरकार परहेज नहीं कर रही है।

भारी सीमेंट कांक्रीट, इस्पात के निर्माण से सरकार परहेज नहीं कर रही है। इनसे स्थानीय स्तर पर कुछ लाभ नहीं होने वाला, उल्टे जमीन व पर्यावरण को खतरे बढ़ेंगे ही।

जरूरत है, आधुनिक तीर्थधामों को पर्यटन स्थल बनाने के सपने जमीन पर उतारने की बजाए 2013 की केदार त्रासदी के बाद जो टिकाऊ विकास की चाह आम प्रभावित स्थानीयों में उपजी थी, उसको जमीन पर उतारा जाये। हिमालयी क्रंदन को अरण्य रोदन होने से बचायें। (सप्रेस)

यात्रा

गौरव अवस्थी

अयोध्या का टूर: पहुंच आसान-दर्शन दूर

'स्वस्थ भारत' स्वयंसेवी संगठन के सभापति आशुतोष कुमार सिंह की तरफ से आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज में चल रही तीन दिवसीय सेमिनार का आज आखिरी दिन था। नई दिल्ली से प्रकाशित पाक्षिक पत्रिका 'युगवार्ता' के संपादक भाई संजीव कुमार ने 'अमृत काल में भारत का स्वास्थ्य और मीडिया की भूमिका' विषय पर चर्चा के लिए आदेशित किया। इसी सिलसिले में कुमारगंज जाना था लेकिन अनुज करुणा शंकर मिश्र ने इस बहाने हनुमानगढ़ी में दर्शन का नया क्लाज जोड़ दिया। कलयुग के जीवित देवता हनुमान जी के दर्शन का प्रस्ताव कोई कैसे ठुकरा सकता है? फिर हम तो ठहरे गहरे हनुमान भक्त। सो, तुरंत तैयार। साथ उनका। सारथी हमारा।

इस सबके चलते आज अयोध्या कई वर्षों बाद जाना हुआ। रायबरेली से अयोध्या 120 किलोमीटर दूर है। पहले सिंपल सी सड़क थी और अब हाईवे। तब जनपद का नाम फैजाबाद हुआ करता था और अब अयोध्या। रायबरेली मार्ग से फैजाबाद होते हुए अयोध्या जाया करता था। यह सड़क पहले टू-लेन थी और अब फोरलेन। मोहनगंज के पास थोड़ी दिक्कत छोड़ दें तो बाकी का कष्टरहित सफर। अयोध्या पहुंचने के लिए अब हिचकोले नहीं खाने पड़ते। 25-30 किलोमीटर पहले हाईवे के डिवाइडर पर लगे बिजली के कलात्मक खंबों के बीच में कमल की पंखुड़ियों के नीचे नए स्टाइल में विभिन्न रंगों से अंग्रेजी में लिखा 'अयोध्या' आपका ध्यान आकर्षित करने लगता है। अंग्रेजी में इसे 'लोगो' कह सकते हैं। हिंदी वाले इस 'प्रतीक चिन्ह' कहते हैं। फैजाबाद पहुंचने पर अयोध्या की दूरी 10 किलोमीटर लिखी दिखती थी अब नए हाईवे पर लिखा मिलेगा-' अयोध्या-0 किमी और अयोध्या धाम-10 किमी। यानी अयोध्या-टू-अयोध्या धाम। भक्तों के लिए 'रामनगरी अयोध्या' और सरकारी बोर्ड में 'अयोध्या धाम'। प्रदेश के किसी भी तरफ से आपका अयोध्या पहुंचना तो बहुत आसान हो गया है पर भगवान पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। तीखी धूप। लंबी कतार। पसीना अपार। तब मिलेगा देवता का द्वार।

अब रायबरेली को ही लें। रायबरेली से अयोध्या पहुंचने में पहले करीब 3 घंटे लग जाते थे लेकिन हनुमानगढ़ी में दर्शन तुरंत मिल जाते थे। रायबरेली से अब आप अयोध्या 2 घंटे में आसानी से पहुंच जाएंगे लेकिन अगर दिन शनिवार और मंगलवार है तो दर्शन में घंटे भर भी लग सकते हैं। कभी-कभी इससे ज्यादा भी। पहले खाकी वर्दी मंदिर में ऊपर प्रवेश द्वार पर ही दिखती थी और अब भक्तों की भीड़ के चलते नीचे सीढ़ियों से 100 मीटर पहले से हनुमानगढ़ी के हनुमान जी महाराज के विग्रह के सामने तक पुलिस ही पुलिस। इच्छा भरकर दर्शन की इच्छा पूरी करने की जरा भी कोशिश आपको धक्का दिला सकती है या कर्कश शब्दों से सामना करा सकती है।

अब जब हनुमान गढ़ी में दर्शन का यह हाल है तो उनके इष्टदेव भगवान राम के दर्शनों में होने वाली दिक्कतों का अंदाज आप खुद लगाइए। राम जन्मभूमि में दर्शन के लिए पहले भी काफी चक्कर लगाना पड़ता था और अब भी। एक भजन है- कभी-कभी भगवान को भी भक्तों से काम पड़े..। भक्ति के उमड़ते ज्वार में अब भक्तों को ही भगवान से काम पड़ रहा है भगवान को नहीं। मंदिरों में तो कदम कदम पर पहरा रहता है। राम-राम रटते हुए ही भगवान राम के दर्शन पा सकते हैं।

यह सही है अब अयोध्या पहले वाली नहीं रही। 'दिव्य-नव्य-भव्य' की सरकारी उपमा रत्तीभर गलत नहीं है। अयोध्या का सीन पूरा चेंज है। सड़कें बदल गई हैं। रास्ते की क्रॉसिंग पर फ्लाईओवर है। सुंदर सजे-धजे चौराहे। कहीं आओ-कहीं जाओ। सब सिस्टमैटिक। पहले अयोध्या की मुख्य सड़क पर गाड़ी खड़ी कर आप हनुमानगढ़ी के दर्शन को जा सकते थे। कुछ खा सकते थे लेकिन अब ऐसा संभव ही नहीं। गाड़ी खड़ी रने पर चालान का स्वाद चखना पड़ सकता है।

पहले अयोध्या में साधारण से खाने के जुगाड़ बहुत कम होते थे। घर से पूड़ी बांध कर ले जाओ या किसी मठ में प्रसाद पाओ या ऐसे ही काम चलाओ। अब नई अयोध्या में नए-नए होटल-रेस्टोरेंट की भरमार है। साउथ इंडियन खाना है तो उडुपी रेस्टोरेंट जाइए और गुजराती थाल खानी है तो 'नमो नमो ग्रुप' के रेस्टोरेंट और आदि-आदि में। रू. 200 वाले डोसे और ढाई सौ रुपए थाल (उत्तर भारतीय खाना) वाले रेस्टोरेंट एक नहीं कई हो गए हैं। अगर आपकी जब इजाजत दे रही हो तो इससे महंगे भी होटल-रेस्टोरेंट मिल जाएंगे। इस सबके बावजूद अयोध्या ने अपना सांसद क्यों बदला? इस सवाल का जवाब खोजने के लिए नई नवेली अयोध्या के बजाये आपको पहले की तरह वाले गांवों की गलियों से गुजरना ही पड़ेगा।

किराए पर रहती कौशल्या- आदर्श पुत्र और आदर्श भाई का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की लीला स्थली में हनुमानगढ़ी मंदिर के बाहर सड़क के एक किनारे आंचल फैलाए बैठीं वृद्ध कौशल्या भोजपुर बिहार की रहने वाली हैं। उनके दो बेटे हैं लेकिन दोनों में तनिक भी मातृमोह नहीं। पिछले 18 वर्षों से वह यहां रू. 1500 प्रतिमाह किराए के कमरे में रहते हुए भीख मांग कर गुजारा कर रही हैं। वह नित्य 2 घंटे पूजा अर्चना के बाद सुबह 11 बजे हनुमानगढ़ी मंदिर के बाहर आकर बैठ जाती है। बताती हैं, रू. 300 तक रोज मिल जाते हैं। इसी से उनका बस गुजर-बसर हो रहा है। चार पैसों के लिए धूप से दो-चार- आज धूप कड़ी थी और उमस तेज। अयोध्या नगर के तुलसीबाड़ी के रहने वाले अनिल कुमार चार पैसों के लिए बालक राम की फोटो बेचने का काम करते हैं सुबह जल्दी पहुंच कर शाम को देर से घर जाना होता है। पेट की भूख के आगे कड़ी धूप उनके लिए कुछ भी नहीं। अनिल बताने लगे, मीडियम साइज की भगवान राम की फोटो चार रुपए में मिल जाती है और रू. 10 में बेचते हैं। अगर 100 फोटो बिक गई तो रू. 500 की बचत हो जाती है।

दृष्टिकोण

सुनीता बैरवा

शहरी गरीबी क्षेत्र में भी रोजगार जरूरी

पिछले हफ्ते राजस्थान सरकार ने 2024-25 का अपना बजट पेश किया. हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की नई सरकार का यह पहला पूर्णकालिक बजट है. इसमें अगले पांच वर्षों की रूपरेखा के आधार पर नौकरी और आजीविका समेत अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है. बजट में अगले पांच साल में सरकारी और निजी क्षेत्र में करीब दस लाख नई नौकरियां देने की घोषणा की गई है. दरअसल राजस्थान देश के उन पांच राज्यों में शामिल है जहां बेरोजगारी दर बहुत अधिक है. केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक राजस्थान में इस समय बेरोजगारी की दर करीब 20.6 फीसदी है. न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहर में रहने वाले स्लम बस्तियों में भी आजीविका के बहुत कम साधन उपलब्ध हैं. आर्थिक और सामाजिक रूप से बेहद कमजोर परिवारों के पास आजीविका के नाम पर मौसमी रोजगार उपलब्ध होते हैं.

राजस्थान के कई ऐसे शहरी क्षेत्र हैं जहां आबाद स्लम बस्तियों में लोगों के पास रोजगार नहीं है. इन्हीं में एक राजधानी जयपुर स्थित बाबा रामदेव नगर स्लम बस्ती है. जहां लोगों के पास पर्याप्त रोजगार नहीं होने के कारण उनकी आय बेहद सीमित है. जिससे बहुत मुश्किल से परिवार का भरण पोषण संभव हो पाता है. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति बहुल यह बस्ती शहर से करीब 10 किमी दूर गुर्जर की थड़ी इलाके में आबाद है. लगभग 500 से अधिक लोगों की आबादी वाले इस बस्ती में लोहार, मिरासी, रद्दी बेचने वाले, फ़कीर, शादी ब्याह में ढोल बजाने वाले, बांस से सामान बनाने वाले बागरिया समुदाय और दिहाड़ी मजदूरी का काम करने वालों की संख्या अधिक है. इस बस्ती में साक्षरता की दर काफी कम है. जिसके पीछे कई कारण मौजूद हैं. लेकिन इसकी वजह से नई पीढ़ी न तो उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकी है और न ही उनके पास रोजगार के कोई विशेष साधन उपलब्ध हो सके हैं. इस बस्ती में आबाद बागरिया समुदाय के लोग बांस से बने सामान तैयार कर उन्हें बाजार में बेचते हैं. ज्यादातर यह लोग उससे झाड़ू बनाने का काम करते हैं. लेकिन इस काम में उन्हें बहुत कम आमदनी होती है. परंतु पीढ़ी दर पीढ़ी यह समुदाय इसी काम में पारंगत होने के कारण रोजगार के अन्य साधनों से दूर है.

इस संबंध में 55 वर्षीय विष्णु बागरिया कहते हैं कि उनका समुदाय घुमंतू है. कहीं भी स्थाई ठिकाना नहीं होता है. जगह जगह घूम कर वह झाड़ू बनाने और बेचने का काम करते हैं. वह बताते हैं कि उनके परिवार में चार सदस्य हैं और सभी मिलकर झाड़ू बनाने का काम करते हैं. वह सभी एक दिन में 50 से 75 झाड़ू तैयार कर लेते हैं. जिसे परिवार की महिलाएं बेचने का काम करती हैं. वह बताते हैं कि कई बड़े व्यापारी उनसे झाड़ू खरीदने आते हैं. लेकिन एक झाड़ू का हमें केवल दस रुपए ही देते हैं, जबकि वही झाड़ू वह अपने स्टोर पर 40 से 50 रुपए में बेचते हैं. विष्णु कहते हैं कि वह लोग यह काम पीढ़ी दर पीढ़ी करते आ रहे हैं. इसके अतिरिक्त उन्हें कोई अन्य काम नहीं आता है. वहीं 22 वर्षीय कमला बागरिया कहती हैं कि झाड़ू बनाने के लिए बांस और अन्य सामान लाने का काम घर के पुरुष करते हैं, जिसके बाद घर के सभी सदस्य दिन भर बैठकर इसे तैयार करने का काम करते हैं. वह बताती है कि उन लोगों द्वारा बनाए गए सामान को जहां व्यापारी खरीद कर ले जाते हैं, वहीं महिलाएं भी व्यक्तिगत रूप से इसे गली मोहल्लों में बेचने जाती हैं. दिन भर में वह 20 से 25 झाड़ू बेच लेती हैं. कमला के अनुसार इस काम में मेहनत के अनुसार आमदनी नहीं होती है, लेकिन इसके बावजूद उनके पास रोजगार के कोई अन्य साधन नहीं है. इसलिए वह इसी रोजगार से जुड़े हुए हैं.

वहीं 35 वर्षीय सीता बागरिया कहती हैं कि उनके समुदाय में शिक्षा के प्रति बहुत अधिक जागरूकता नहीं है. इसके पीछे कई कारण हैं. एक ओर जहां उनका समुदाय कहीं भी स्थाई रूप से आबाद नहीं है वहीं दूसरी ओर रोजगार के बिल्कुल सीमित विकल्प होने के कारण घर के बच्चे भी पढ़ने की जगह इसे सीखने में लग जाते हैं. वह कहती हैं कि उनके समुदाय में उन्होंने आज तक किसी को भी नौकरी करते नहीं देखा है और न ही झाड़ू बनाने के अतिरिक्त किसी अन्य रोजगार से जुड़ते देखा है. सीता के अनुसार उनका स्थाई ठिकाना नहीं होने के कारण परिवार के किसी भी सदस्य का कोई भी आधार कार्ड या कोई अन्य पहचान पत्र नहीं नहीं है. इसकी वजह से महिलाओं का घर में ही प्रसव कराया जाता है, जिससे बच्चों का भी जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होता है. इसके कारण उनका स्कूल में नामांकन भी नहीं होता है. सीता के पति श्यामू बागरिया कहते हैं कि साक्षर नहीं है. परिवार के खानाबदोश होने के कारण उन्होंने कभी भी स्कूल का मुंह नहीं देखा है. इसके कारण उन्हें कोई स्थाई रोजगार भी प्राप्त नहीं हो सका. वह कहते हैं कि बागरिया समुदाय में शिक्षा के प्रति बहुत अधिक जागरूकता नहीं रही है. लड़के और लड़कियों को पढ़ाने की जगह उन्हें झाड़ू बनाने का पुश्तैनी काम सिखाया जाता है. वह कहते हैं कि शिक्षित नहीं होने के कारण हमें सरकार द्वारा दिए जाने वाली किसी भी योजनाओं की जानकारी नहीं है.

पिछले कई वर्षों से बाबा रामदेव नगर बस्ती में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर काम कर रहे समाजसेवी अखिलेश मिश्रा यहां का इतिहास बताते हुए कहते हैं कि यह बस्ती करीब 20 से अधिक वर्षों से आबाद है. उस समय यह शहर का बाहरी इलाका माना जाता था. आज बढ़ती आबादी के कारण यह नगर निगम ग्रेटर जयपुर के अधीन आता है. अक्सर लोग इसे योग गुरु बाबा रामदेव के नाम से समझते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि बस्ती वालों के इष्ट देव के नाम से इसका नामकरण हुआ है. वह बताते हैं कि इस बस्ती के बीच से मुख्य सड़क गुज़रती है. सड़क के दाहिनी ओर जहां स्थाई बस्ती आबाद है, वहीं बाई ओर की खाली पड़ी ज़मीन पर अस्थाई बस्ती बसाई जाती है. जिसमें मुख्य रूप से कालबेलिया और बागरिया जैसे अन्य घुमंतू और खानाबदोश समुदाय के लोग कुछ महीनों के लिए ठहरते हैं और अपने बनाये सामान को शहर में बेच कर वापस लौट जाते हैं. उनके अनुसार बागरिया समुदाय में शिक्षा और रोजगार का घोर अभाव है. इसलिए इस समुदाय के सदस्य अपने पुश्तैनी काम बांस से बने सामान बनाने का काम करते हैं. हालांकि पिछले कुछ सालों में इस काम में अधिक आमदनी नहीं होने के कारण अब उनमें से कुछ पुरुष और युवा दिहाड़ी मजदूरी भी करने लगे हैं. लेकिन चूंकि यह समुदाय किसी एक क्षेत्र में स्थाई रूप से आबाद नहीं है, इसलिए इन्हें जल्दी मजदूरी भी नहीं मिलती है. अखिलेश कहते हैं कि बागरिया समुदाय को पहले राज्य सरकार ने अनुसूचित जनजाति में शामिल कर रखा था, लेकिन तीन दशक पहले उन्हें ओबीसी समुदाय में जोड़ दिया गया. जिससे इस समुदाय को एससी एसटी समुदायों की तरह योजनाओं का बहुत अधिक लाभ नहीं मिल सका है. बहरहाल, सामाजिक स्थिति और विभिन्न कारणों से शिक्षा तक पहुंच नहीं होने के कारण यह समुदाय रोजगार की पहुंच से दूर होता चला गया है. जिस ओर सरकार के साथ साथ समाज को भी ध्यान देने की जरूरत है, ताकि समाज का यह हिस्सा विकास की दौर में पिछड़ न जाए. (चरखा फीचर)

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक देश की विकास यात्रा

भ्रष्टाचार अपने इधर ही है ऐसा नहीं है। इस बात को लेकर खुश हुआ जा सकता है कि भ्रष्टाचार इंग्लैंड में है तो फ्रांस में भी है। तो भ्रष्टाचार इटली में है तो अमरीका में भी है। और जैसे कि कहा जाता है यह चीन रूस भी अछूते नहीं है। हम दूर क्यों जाते हैं, अपने पडोस में जो पाकिस्तान और बंगलादेश है वे क्या भ्रष्टाचार से अछूते हैं? नहीं जी। भ्रष्टाचार बोले तो आलू, जैसे आलू ब्राजील से निकला और दुनिया भर में छा गया। भ्रष्टाचार बोले तो पिज्जा, इटली से चला तो दुनिया भर में छा गया। जुबान पर चढ़ा तो ऐसा कि गाहे बगाहे खा ही लिया। कुछ तो इस पिज्जा को गरियाते मिलेंगे पर मौका लगे तो इधर उधर देखेंगे, कोई न देख रहा हो तो गप से मचका लेंगे। कुछ के लिए मन मन भावे मूड हिलावे का मामला था। किसी ने देख ही लिया तो, हँसते हुए कहेंगे- बनता तो अच्छा है लगता भी है पर हमेशा नहीं चलता। तो बोल रहा था कि भ्रष्टाचार शादी के लड्डू सा भी है पर न खाने पर पछतावा ज्यादा होता है।

पर जो कहानी है वह कहानी यह नहीं है। कहानी है वह ऐसी कि एक देश की संसद ने तय किया कि पुरानी संसद अब काफी पुरानी हो गई है और उसकी जगह एक नई संसद बनाई जानी चाहिए। संसद बनाने का काम देश की पीडब्ल्यूडी को दिया गया। पीडब्ल्यूडी ने ठेकेदार को। ठेकेदार जो था वो मंत्री का साला नहीं था पर सभी के साथ उसके भाई भतीजे वाले संबंध थे। मतलब वह सभी का पोषण करने में समर्थ था। इसीलिए सड़क पुल और भवनों के ठेके उसे भर पल्ले मिलते थे। डिजाइन तैयार थी। भवन निर्माण शुरू हुआ। जैसा कि होता है अव्वल तो उस देश के कानून के हिसाब से कम से कम तीन कोटेशन मंगाए जाने चाहिए थे। एक ही फर्म ने तीन अलग-अलग नामों से कोटेशन भर दिए। याने काम भी जो थाना नियमानुसार ही हुआ। वही अधिक वही कम। अधिकारियों से लेकर नेता तक सब के कमीशन तय थे। यह संविधान में न था पर अलिखित संविधान तो यही था। पहले जो सरकारें करती थी वही यह सरकार भी कर रही थी। सरकार की सारी मशीनरी अपना घर भर रही थी। आखिर परंपरा कोई चीज है जी। तोडी नहीं जाती। व्यवस्था बदलने के लिए नहीं होती व्यवस्था के लिए हमें बदलना होता है। व्यवस्था में जो बदलाव लाने का दावा करता है वो वादा भूल जाता है। तो तय हुआ कि संसद भवन के लिए सबसे कम लागत वाला कोटेशन स्वीकृत किया जाए। कोटेशन स्वीकृत हुआ। ठेकेदार ने परंपरानुसार मिठाई के पैकेट सभी के घर पहुँचाए। दो साल में भवन तैयार करना था। पर समय का ऐसा है कि हवा की तरह गुजर जाता है। पर भवन नींव से ऊपर न उठा। निर्माण सामग्री के भाव बढ़ गये।

नयी दरें और समय सीमा बढ़ीं। छः माह और मिले, मिठाई के पैकेट और चले। समय भी चला। अब काम बढ़ा तो लिंटल तक पहुँचा। अभी छत डलने में थी। भाव को और समय को रोकना असंभव था। फिर समय देना ही था और नया भाव भी। मिठाई के पैकेट भी।तो यह क्रम तकरीबन चार साल चला अंततोगत्वा भवन बना। उद्घाटन हुआ। शासन के प्रमुख ने अपने मंत्रिमंडल के साथ प्रवेश किया विपक्ष भी भीतर आया। भवन की जरूरत पर जैसे की बहस होनी थी हुई। हंगामा हुआ। किसी सदस्य ने हंगामे के बीच टेबल पर हाथ मारा और उधर छत भरभरा कर नीचे आ गई। दीवारों पर दरारें आ गई। कहते हैं रेक्टर स्केल पर यह मुक्का दशमलव में दर्ज हुआ था। पर दीवारों और छत के लिए यह कयामत थी। कहने वाले कह रहे थे कि पहले भी उस देश में कई पुल भी धराशायी थे, कई सड़कें धंस चुकी थी। कई सरकारी भवन गिर चुके थे। संसद भवन का गिरना अवश्यंभावी था क्योंकि विकास के नाम पर भी पर सरकार के मंत्री, संत्री, यंत्री, जंत्री, तंत्री के मकान ठेकेदार की मिलीभगत से महलों में बदल रहे थे उस देश के विकास के मानदंड यही थे जो देश को ऊँचाइयों पर पहुँचा रहे थे।

जयंती पर विशेष आलेख

शिवकुमार शर्मा

(लेखक महिला एवं बाल विकास विभाग में संयुक्त संचालक है)

नारी सम्मान के प्रणपाल क्रांतिधर्मी चंद्रशेखर आजाद

इस महान देशभक्त ने पं.सीताराम तिवारी की अंतिम संतान के रूप में माता श्रीमती जगरानी देवी की कोख से 23 जुलाई 1906 को झाबुआ तहसील के ग्राम भावरा में जन्म लिया। प्रखर बुद्धि के धनी बालक चंद्रशेखर के मन में काशी जाकर अध्ययन करने का निश्चय हो गया। अनुमति न मिलने पर बिना बताए घर से चले गए। काशी में रहकर अनेक क्रांतिकारियों से भेंट हुई। अंग्रेज सरकार के क्रूर दमन चक्र, अमानवीय व्यवहार,जलियांवाला बाग हत्याकांड जैसी क्रूरता की हदें पार करने वाली घटनाओं को देखकर किशोर चंद्रशेखर का खून खोलने लगता था। किशोरावस्था में ही वे भारत के गुलामी को खत्म करने पर चिंतन करने लगे। राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया।

अमर क्रांतिवीर,अजेय सेनानी,शक्ति और शौर्य के साधक शाहीद चंद्रशेखर 'आजाद' राष्ट्रवाद, स्वतंत्रता, स्वाभिमान, अदम्य साहस, वीरता, नारी का सम्मान, स्त्री गरिमा की रक्षा और न्यायप्रियता के आदर्शों के पर्याय होकर उच्च मानवीय मूल्यों के वाहक थे। उनके हृदयतल में मानवीय संवेदना की अविरल धारा प्रवाहमान रहती थी। उसूलों और सिद्धांतों के साथ समझौता, बहन-बेटियों का अपमान उन्हें किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं था।

इस महान देशभक्त ने पं.सीताराम तिवारी की अंतिम संतान के रूप में माता श्रीमती जगरानी देवी की कोख से 23 जुलाई 1906 को झाबुआ तहसील के ग्राम भावरा में जन्म लिया।प्रखर बुद्धि के धनी बालक चंद्रशेखर के मन में काशी जाकर अध्ययन करने का निश्चय हो गया। अनुमति न मिलने पर बिना बताए घर से चले गए। काशी में रहकर अनेक क्रांतिकारियों से भेंट हुई। अंग्रेज सरकार के क्रूर दमन चक्र, अमानवीय व्यवहार, जलियांवाला बाग हत्याकांड जैसी क्रूरता की हदें पार करने वाली घटनाओं को देखकर किशोर चंद्रशेखर का खून खोलने लगता था। किशोरावस्था में ही वे भारत के गुलामी को खत्म करने पर चिंतन करने लगे। राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया। इस दौरान पुलिस के अधिकारी को पत्थर मार कर लहूलुहान कर दिया। न्यायालय में खुद का नाम 'आजाद',पिता का नाम 'स्वतंत्र' तथा जेलखाने को घर बताया। न्यायाधीश ने झल्लाकर 15 बेंतों की सजा सुनाई,परंतु वे इस दंड से डिगे नहीं वरन् मातृभूमि की सेवा का दरवाजा खोल दिया। 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' से जुड़े। आंदोलन के लिए धन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए एकमत होकर संगठन के सदस्यों ने ऐसे पूंजीपतियों के घर डाका डालने की योजना बनाई जो समाज के गरीब और निर्बल लोगों को तंग कर अमानवीय तरीके से लूट कर अपना घर भरते थे।

एक गांव में डाका डालते समय भीड़ से घिर जाने पर पिस्टल से भीड़ को नियंत्रित किया परंतु पं. राम प्रसाद बिस्मिल के निर्देश थे कि औरतों को कोई हाथ नहीं लगाएगा चाहे वे आक्रमण ही क्यों न कर दें। उनका यह मानना था कि जो क्रांतिकारी स्त्रियों का सम्मान नहीं कर सकता वह क्रांति के पवित्र उद्देश्य में कभी सफल नहीं हो सकता। महिलाओं ने उन पर आक्रमण कर पिस्तौल छीन ली और लूट से भी रोक दिया,फल स्वरूप उन्हें जान बचाकर भागना पड़ा।

एक पहचान के आदमी की सलाह पर गरीबों का खून चूस कर धन इकट्ठा करने वाले पास के गांव के सेठ के यहां डाका डालने गए। सभी लूट में व्यस्त थे तभी आजाद ने देखा कि इस घर की एक सुंदर युवती को उनका साथी छेड़ रहा था,वह भयभीत होकर कांप रही थी। आजाद का खून खौल उठा। उज्ज्वल चरित्र के धनी, अखंड बाल ब्रह्मचारी आजाद ने नारी के अपमान की घटना को बर्दाश्त नहीं किया और तुरंत उस दुश्चरित्र साथी को गोली मारकर मौत के हवाले कर दिया। युवती से क्षमा मांगी तथा बिना एक पैसा लिए वापस लौट गए। फरारी के समय बुंदेलखंड मोटर कंपनी के ड्राइवर रामानंद ने आजाद को अपने मोहल्ले में एक कोठरी किराए पर दिलवा दी थी। पड़ोस में रामदयाल नाम का

एक ड्राइवर रहता था। वह शाम को शराब पीकर घर पहुंचता था तो पत्नी को बहुत मारता था। मोहल्ले वालों को बुरा लगता था परंतु घरेलू मामलों में दखल कौन दे? एक दिन आजाद से रामदयाल की भेंट हुई तो रामदयाल ने कहा हरिशंकर जी आप रात को ठोका पीटी बहुत किया करते हो इससे नींद हराम हो जाती है। इस बात पर उन्होंने कहा रामदयाल भाई मैं तो कल पुर्जों की ही ठोका पीटी करता हूँ पर तुम तो शराब के नशे में अपनी गऊ जैसी पत्नी की ठोका पीटी करके मोहल्ले भर की नींद हराम करते रहते हो। इस बात पर रामदयाल आगबबूला हो बोले तू कौन होता है? मैं रोज मारूंगा, अभी मरता हूँ देखता हूँ कौन साला बचाता है? आजाद ने यह उत्तर दिया कि तुमने मुझे साला कहा है तो मैं तुम्हारी पत्नी का भाई हूँ। एक भाई अपनी बहन को पिटते कैसे देख सकता है? तुमने शराब के नशे में रात को मारा तो ठीक नहीं होगा। रामदयाल का गुस्सा आसमान पर, वह आवेश में आकर घर में घुसा और पत्नी की चोटी पकड़कर घसीटते हुए लाया व मारने को हाथ उठाया, आजाद ने उसका हाथ थाम लिया, झटका देकर उसे अपनी ओर खींचा झटके से उसके हाथ से पत्नी के बाल छूट गए और वह मुक्त हो गई। आजाद ने भरपूर हाथ से गाल पर एक तमाचा दे मारा। रामदयाल इस मार को सह नहीं सका और सिर थाम कर नीचे बैठ गया। आसपास के लोगों ने बीच बचाव कराया। इस घटना के बाद आजाद और रामदयाल की बोलचाल बंद तो रही परंतु आजाद ने ही अपने संबंध सुधार लिए । वे उसे जीजाजी कह कर पुकारने लगे । रामदयाल ने अपनी पत्नी को फिर कभी नहीं पीटा।

आजाद को काकोरी ट्रेन डकैती के कारण भूमिगत होना पड़ा। झांसी में मास्टर रुद्र नारायण के घर छोटे भाई के रूप में शरण ली, रहे भी। कुछ समय बाद ओरछा और झांसी के बीच में सातार नदी के किनारे छोटे से गांव टिमरपुर में गांव से बाहर नदी के किनारे एक छोटी कुटिया बनाकर रहने लगे।उन्होंने अपना नाम हरीशंकर ब्रह्मचारी रखा हुआ था वे मधुकरी मांग कर खाते थे और गांव वालों को रामायण सुनाया करते थे। इस दौरान उन्हें अपने चरित्र की अग्नि- परीक्षा भी देना पड़ी । गांव की एक सुंदर युवती हरिशंकर ब्रह्मचारी के मजबूत सुंदर शरीर को देखकर उन पर रीझ गई, परंतु हरिशंकर ब्रह्मचारी का ईमान नहीं डोला। वहअपने संकल्प पर दृढ़ रहे और अपनी अग्नि परीक्षा में खरे उतरे। गांव के नंबरदार इस कांड को अच्छी तरह जानते थे,वे हरिशंकर ब्रह्मचारी की इंद्रियों पर नियंत्रण और संकल्प शक्ति पर मुग्ध हो गए। उन्होंने आजाद पर बेधड़क विश्वास किया।भाई बनकर घर पर रहे। जंगल में बंदूक चलाने का अभ्यास किया। क्रांति के साधक आजाद महिलाओं के सम्मान के प्रबल पक्षधर थे। उनकी इस चारित्रिक विशेषता के कारण अपने दल में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिया। सुशीला दीदी, बहन प्रेमवती, प्रकाशवाती तथा दुर्गा भाभी ने क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके चारित्रिक वैभव की धरोहर युवा वर्ग के लिए सदा प्रेरणादायी बनी रहेगी। देशभक्त पंडित जी को गिरफ्तार करने के लिए अंग्रेज सरकार ने क्या-क्या नहीं किया परंतु उसे सफलता नहीं मिली। 27 फरवरी 1931 को दगाबाज आस्तीन के सांप ने पुलिस को आजाद के इलाहाबाद में प्रवास एवं अल्फ्रेड पार्क में जाने की सूचना दे दी। इस धोखेबाजी का शिकार हुए परमवीर ने पुलिस मुठभेड़ का सामना किया। अपने आत्म सम्मान की रक्षा के लिए शेष बची आखिरी गोली से योगी की भांति स्वयं अपने प्राण भारत मां की सेवा में अर्पित करते हुए अनन्त यात्रा को प्रस्थान कर गए। उन्हें कोटि-कोटि नमन।

किसानों को दिल्ली जाने से कैसे रोका जा सकता है?

मुद्दा

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क के पूर्व अधिकारी हैं।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस श्री सूर्यकांत और जस्टिस श्री उज्ज्वल भुइयां ने हरियाणा सरकार को शंभू बॉर्डर खोलने के निर्देश दिए हैं, ताकि वहाँ धरने पर बैठे हजारों किसान अपनी माँगों के लिए दिल्ली जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि आपने शंभू बॉर्डर को किस अधिकार से ब्लॉक कर रखा है ? इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि किसान भी देश के नागरिक हैं उन्हें भोजन, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ दीजिए। वे आयेंगे, नारे लगायेंगे और चले जायेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पहले पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने करीब 6 माह पहले बंद किए गए शंभू बॉर्डर को एक सप्ताह में खोलने का आदेश दिया था। हजारों किसान वहाँ 13 फरवरी 2013 से धरने पर बैठे हैं। हरियाणा सरकार ने किसानों के दिल्ली कूच को रोकने के लिए इस हाईवे को बंद कर रखा है। हरियाणा सरकार ने आज तक शंभू बॉर्डर को खोला नहीं है। किसान पिछले करीब 6 माह से वहाँ दिल्ली जाने के लिए धरने पर बैठे हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ किसान आंदोलन के दौरान प्रदर्शन कर रहे 22 वर्षीय युवक की मौत की न्यायिक जाँच के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अपील की बात पर पीठ ने कहा कि आप हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती क्यों देना चाहते है? राज्य सरकार हाई-वे कैसे ब्लॉक कर सकती है? इसे नियंत्रित करना आपका काम है। इस दौरान हरियाणा सरकार की ओर से हाईवे खोलने के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर दी गई है।

पिछले 13 फरवरी से हजारों किसान शंभू बॉर्डर पर अभी भी डटे हैं। हाई कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब और हरियाणा के किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली कूच की तैयारी कर ली है। पंजाब और हरियाणा के गाँवों से किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियाँ तैयार कर शंभू बॉर्डर जाने की तैयारी रहे हैं। उनकी ट्रैक्टर ट्रॉलियों में 6 माह का राशन भी भरा जा रहा है। इसके साथ ही किसान संगठनों के प्रमुख 22 जुलाई को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में एक बड़ा आयोजन करने जा रहे हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों और विपक्षी नेताओं को बुलाया जा रहा है।

चूंकि हरियाणा सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद अभी तक शंभू बॉर्डर से अवरोधों को नहीं हटाया है। सरकार रास्ता खोलना नहीं चाहती। इसीलिए वह सुप्रीम कोर्ट गई है। यही नहीं हरियाणा की अंबाला पुलिस ने पुलिस लाईन ग्राउंड में दंगा रोधी उपकरणों को चलाने का अभ्यास भी किया। इस दौरान गैस गन, टीयर गैस, स्टेन सेल, एंटी राइट गन, रबर बुलेट आदि चलाने का भी अभ्यास किया। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि राज्य सरकार हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद उनके द्वारा लगाये गए छः लेयर अवरोधों को हटाना नहीं चाहती। यह ही नहीं किसानों को दिल्ली कूच करने पर उनके पासपोर्ट रद्द करने की भी चेतावनी दी जा रही है।

संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को एक राज्य से दूसरे राज्य आने-जाने, रहने, व्यवसाय या नौकरी करने का मूलभूत अधिकार दे रखा है। इस तरह संविधान के अनुसार प्रत्येक किसान को भी यह हक है कि वे अपनी समस्या के निराकरण के लिए या अपनी माँगों की पूर्ति के लिए देश की राजधानी दिल्ली जाकर अपनी आवाज बुलंद करें। इसके लिए यह किया जा सकता है कि किसानों के संगठनों से शांतिपूर्वक आंदोलन करने का शपथ पत्र ले लिया जाए। इसके बाद कोई बहाना नहीं बचता है कि हरियाणा सरकार दिल्ली जाने वाले हाई-वे पर छः लेयर के खड़े किये गए खतरनाक अवरोधों को हटा नहीं सके। यह अवरोध इतने खतरनाक हैं कि जैसे दुश्मन या आंतकवादियों को रोका जा रहा हो! किसान भी इस देश के नागरिक हैं। वे देश के दुश्मन और आंतकवादी नहीं हो सकते। इसलिए उन्हें भी अधिकार है कि वे अपने अधिकारों के लिए दिल्ली कूच कर सके।

शंभू बॉर्डर पर छः माह से डटे किसान संगठनों ने घोषणा कर दी है कि जैसे ही हरियाणा सरकार बॉर्डर खोलेगी, वैसे ही हम दिल्ली कूच कर जायेंगे। हाईकोर्ट ने 10 जुलाई को बॉर्डर खोलने के निर्देश दिए थे, वह अवधि अब पूरी हो गई है। हरियाणा सरकार हाईकोर्ट के आदेश के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट गई है, जहाँ 22 जुलाई को सुनवाई होनी है।

हरियाणा राज्य सरकार को भी चाहिए कि वे सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देश के बाद तो हाई-वे पर किए गए अवरोध को तुरंत हटा ले और किसानों के शांतिपूर्ण आंदोलन को होने दें। केन्द्र सरकार को भी चाहिए कि वे किसानों की वाजिब माँगों को माने और उसे यथा शीघ्र पूरा करें, ताकि किसानों को भी लगे कि उनकी वाजिब मांगों को उचित मंच पर सुना जा रहा है। अन्यथा जैसे छः माह पहले शंभू बॉर्डर पर किसानों के साथ अत्याचार और अन्याय हुआ था, वैसा ही अब फिर होने की पूरी संभावना है।

स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद और आधुनिक संस्कृत साहित्य

साहित्य

डॉ. संजय कुमार

सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

आज हम विशेष रूप से चंद्रशेखर आजाद को याद करना चाहते हैं जिनका जन्म 23 जुलाई 1906 ई को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला अंतर्गत भवर गांव में हुआ था। जो मात्र 15 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर के हिंदुस्तान पब्लिक संगठन के सक्रिय सदस्य बन गए। उनके मन में भारतीय परतंत्रता की बहुत पीड़ा थी जिसके सामने व्यक्तिगत जीवन उन्हें बहुत तुच्छ सा लगता था। जब महात्मा गांधी का असहयोग आंदोलन चल रहा था उस समय संस्कृत की शिक्षा प्राप्त करने के लिए चन्द्रशेखर आजाद काशी गये हुए थे और वहीं असहयोग आन्दोलन में ये सम्मिलित हो गये।

स्वतंत्रता संग्राम के अविस्मरणीय नामों में एक नाम चंद्रशेखर आजाद का भी है उनके त्याग और बलिदान से भारत का मस्तक सदैव उन्नत रहता है। भारत देश की संप्रभुता, अखण्डता और स्वतंत्रता पर जब जब चोट पंहुची है तब तब भारत के सपूतों ने देश के गौरव को धूमिल नहीं होने दिया है। देश में सामाजिक विचलन की स्थिति भी जब उत्पन्न हुई तो भारत भूमि उस विचलन की उन्मूलन के लिए वैसे ही संतानों को उत्पन्न किया। रामायण, महाभारत इसके उदाहरण हैं यदि समाज सुधारकों की बात की जाय तो महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी, सूर, कबीर, तुलसी, तरुवल्लुर, रविदास, दादू, स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, अंबेडकर आदि इसी बात के लिए जाने जाते हैं। जिनका जीवन परिस्थितिजन्य दिखलाई पड़ता है और भी उस समय के अनेक संत कवियों ने सामासिक संस्कृति के संरक्षण संवर्धन के लिए कार्य किया था जो एक बड़ी क्रांति के रूप में दिखाई देती है।

दूसरी क्रांति स्वतंत्रता स्वतंत्रता आंदोलन को मैं मानता हूं। यह वह क्रांति है जिसमें भारत की पूरी प्रकृति सम्मिलित थी, नहीं भला अल्पायु में ही लोगों के मन में राष्ट्रीय चेतना का भाव कैसे उत्पन्न हो सकता है? खुदीराम बोस,भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद ऐसा नाम है जिनका संघर्ष अल्प काल में ही राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप बन गया था। आज हम विशेष रूप से चंद्रशेखर आजाद को याद करना चाहते हैं जिनका जन्म 23 जुलाई 1906 ई को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला अंतर्गत भवर गांव में हुआ था। जो मात्र 15 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर के हिंदुस्तान पब्लिक संगठन के सक्रिय सदस्य बन गए। उनके मन में भारतीय परतंत्रता की बहुत पीड़ा थी जिसके सामने व्यक्तिगत जीवन उन्हें बहुत तुच्छ सा लगता था। जब महात्मा गांधी का असहयोग आंदोलन चल रहा था उस समय संस्कृत की शिक्षा प्राप्त करने के लिए चन्द्र शेखर आजाद काशी गये हुए थे और वही असहयोग आन्दोलन में ये सम्मलित हो गये। जहाँ अंग्रेजी पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होने पर उन्होंने अपना नाम आजाद और पता जेल बताया था। जो उनके साहस और शौर्य का परिचायक है। यद्यपि उन्हें कम आयु होने के कारण जेल नहीं भेजा गया लेकिन पुलिस के द्वारा उन पर लाठियों से खूब प्रहार किया गया। जिसके बाद चंद्रशेखर आजाद राष्ट्रीय चेतना के अग्रदूत बन गए। उस समय हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन एक सक्रिय संगठन के रूप में कार्य कर रहा था। चंद्रशेखर आजाद भी इसके सदस्य बन गये। इसी संगठन के माध्यम से राम प्रसाद बिस्मिल की नेतृत्व में चंद्रशेखर के द्वारा 9 अगस्त 1925 ई को काकोरी कांड को अंजाम दिया था। जिसमें वह सफलता पूर्वक फरार भी हो गए थे। बाद में उन्होंने हिंदुस्तान रिपब्लिक संगठन को और अधिक व्यापक और शक्तिशाली बनाने के उद्देश्य से 1928 ईस्वी में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के रूप में गठन किया। जिससे आजादी की लड़ाई और अधिक तीव्र हो गई। इस संगठन में चंद्रशेखर आजाद को सेना प्रमुख बनाया गया था। बताया जाता है कि दिल्ली असेंबली बम कांड और सेण्डर्स की हत्या के बाद चंद्रशेखर को पहचानने के लिए 700 सैनिकों को लगाया गया था फिर भी चंद्रशेखर आजाद सभी के पकड़ से बाहर थे। चंद्रशेखर आजाद से प्रभावित होकर अनेक छात्र संगठन स्वतंत्रता आंदोलन में सम्मिलित होने लगे। 30 अक्टूबर 1928 ई को साइमन कमीशन के विरोध पर पुलिस के बरबर लाठीचार्ज के कारण एक तत्काल परिवर्तन यह आया कि जो चंद्रशेखर आजाद व्यक्तिगत वीरता के कामों और हिंसात्मक

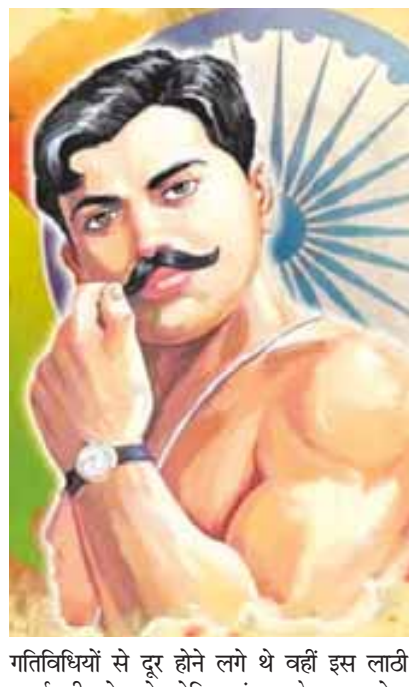

गतिविधियों से दूर होने लगे थे वहीं इस लाठी चार्ज की चोट से चोटिल पंजाब के महान नेता लाला लाजपत राय के शहीद हो जाने पर अत्यंत क्रोधित हो गए। फल स्वरुप 17 दिसंबर 1928 ई को भगत सिंह ,चंद्रशेखर आजाद और राजगुरु ने लाठी चार्ज करने वाले ब्रिटिश अधिकारी सेण्डर्स को गोलियों से भून दिया। जिसे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रतिशोध के रूप में देखा जा सकता है। चंद्रशेखर आजाद स्वतंत्रता के लिए प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में अपने मित्र सुखदेव राज के साथ मंत्रणा कर रहे थे तभी सीआईडी का एसएसपी नाथ बाबर वहां आ पहुंचा। उसके साथ भारी पुलिस बल भी था वहां दोनों पक्षों में भयंकर गोलीबारी होने लगी। चंद्रशेखर आजाद की गोली से तीन पुलिसकर्मी मारे गए और कई घायल हो गए थे। चंद्रशेखर आजाद वीरता पूर्वक उस समय लड़ रहे थे ,उन्हें वहां से निकलने का कोई मार्ग नहीं सूज रहा था, उनके पास एकमात्र गोली बची हुई थी जिसका प्रयोग वे स्वयं पर कर दिए इस प्रकार 27 फरवरी 1931 ई. को भारत का यह वीर सपूत इस भूमि को छोड़ कर हमेशा हमेशा के लिए अमर सपूतों की पंक्ति में सम्मिलित हो गया। वैसे तो भारतीय साहित्य परंपरा में चंद्रशेखर आजाद पर अनेक भाषाओं में रचनाएँ की गई हैं जिसमें संस्कृत भाषा भी अग्रणी भूमिका के रूप में दिखलाई पड़ती है। संस्कृत का आधुनिक काल विशेष करके स्वतंत्रता सेनानियों,सामाजिक समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं पर केंद्रित कर के संस्कृत कवियों के द्वारा रचनाएं की गयी हैं।

जिसमें चरित काव्यों की दृष्टि से स्वतंत्रता सेनानियों पर अनेक काव्य लिखे गये हैं। उसी कड़ी में पंडित सत्यनारायण शास्त्री के द्वारा श्री चंद्रशेखर आजाद महाकाव्य लिखा गया है। यह महाकाव्य चंद्रशेखर आजाद के जीवन चरित और संघर्षों पर आधारित है। इस महाकाव्य में 18 सर्ग व 1135 श्लोक समाहित हैं। महाकाव्य में चंद्रशेखर के विषय में इस प्रकार कहा गया है-

स्वतंत्रतावाप्ति सदैकलक्ष्यो मुदा
धृतात्मासुविसर्गसर्गः।
आसीत्सदैकोऽपि स बीतचिन्तो भवन्ति
शुराः स्वबलावलम्बा।।

इस महाकाव्य में वीर रस का पोषण करते हुए सत्यनारायण शास्त्री ने मंगलाचरण आदि की परंपरा का निर्वाह नहीं किया है। चंद्रशेखर आजाद के साहस, शौर्य एवं त्याग का निरूपण कवि के द्वारा पग पग पर किया गया है। साथ में उनके व्यक्तिगत जीवनवृत्त को भी प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत किया गया है। यथा-

सोऽयं कदाचिज्ज्वलयञ्छलाका दीपावली
पर्वाणि पेटिकायाः।
स्वपाठशालेऽखिलबालजुष्टःसन्दगधहस्तो
ऽपि शुशोच नेषत।।

संस्कृत में दूसरी महत्वपूर्ण रचना चंद्रशेखर आजाद है जिसके लेखक प्रो. गोपाल उपाध्याय और अनुवादक प्रो. ललित पटेल हैं। यह पुस्तक सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुजरात से प्रकाशित है। इस अनुदित कृति में भी चंद्रशेखर आजाद के जीवन चरित पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है।

सीएम राईज स्कूल शाहपुर में मनाया गया गुरुपूर्णिमा का पर्व

बैतूल। 21 जुलाई को सी.एम. राईज विद्यालय शाहपुर के सभाकक्ष में गुरूपूर्णिमा के पावन पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षक हजारीलाल गुप्ता, के.एल.दूवे. एस.आर. बारंगे, ए.एल.पवार, एम.एस. टैगोर, श्रीमति उमा राजपूत,

सुरेश सराठे, यूनूस खान, गिरिश सिंह राजपूत का सी.एम.राईज विद्यालय के प्राचार्य एवं स्टॉफ द्वारा शाल श्रीफल एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया ।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ शारदा के छायाचित्र का पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। छात्राओ द्वारा माॅ सरस्वती वंदना के पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा गुरू की महिमा पर अपने विचार प्रस्तुत किये । छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी । छात्र-छात्राओ द्वारा सभी गुरूजनो का तिलक कर स्वागत वंदन किया गया । तत्पश्चात सभी अतिथियों द्वारा गुरु की महिमा पर अपने विचार व्यक्त करते हुये अपने जीवन के अनुभव बताये गये। जिनसे प्रेरणा लेकर आगे बढने का सभी ने आश्वासन दिया। अंत में सी.एम. राईज विद्यालय के प्राचार्य श्री एस.के.जैन ने सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री राजेश भारत एवं श्री सत्येन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा किया गया ।

गायत्री परिवार ट्रस्ट गायत्री प्रज्ञापीठ का दीप महायज्ञ संपन्न

बैतूल। गायत्री परिवार ट्रस्ट गायत्री प्रज्ञापीठ सारणी में दिनांक 19 जुलाई को सारणी के विभिन्न भजन मंडलों के माध्यम से भजन प्रस्तुति एवं परम पूज्य गुरुदेव द्वारा दिए गए अनुदानों वरदानों पर चर्चा हुई। तदोपरांत 20 जुलाई को प्रातः 5 बजे से शाम 5 बजे तक गायत्री महामंत्र का अखंड जाप समस्त विश्व में शांति भाईचारे की स्थापना के निमित्त तथा शायं 5 से 6 बजे तक दीप महायज्ञ संपन्न हुआ। 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां सरस्वती का पूजन कर महर्षि वेदव्यास का स्मरण पूजन कर 33 कोटी देव शक्तियों का आवाहन कर पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ जिसमें दीक्षा संस्कार एवं पुंसवनसंस्कार, प्रमिला पानसे ललिता देशमुख, कुमारी कांति गुलबासे, प्रमिला उघडे की ब्रह्मवादिनी बहनों की टोली द्वारा संपन्न हुआ उसके पश्चात प्रेम सूर्यवंशी एवं जीआर पांसे द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सक्रिय एवं सहयोगी शिक्षक शिक्षिका भाई बहनों का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथि प्राचार्य एवं शिक्षक भाई बहिनों ने गायत्री प्रज्ञा पीठ सारणी के आत्मीय एवं साधनामय वातावरण मे अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की तथा अपने सौभाग्य को सराहा, गायत्री प्रज्ञा पीठ सारणी के मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी जीआर पांसे ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का महत्व, शांतिकुंज का महत्व, यज्ञ का महत्व, गायत्री महामंत्र का महत्व, गायत्री प्रज्ञा पीठ सारणी में संपन्न होने वाले कार्यक्रमों का विवरण ,तथा गायत्री प्रज्ञापीठ सारणी में संचालित होने वाले नशा उन्मूलन, ग्रहे ग्रहे यज्ञ, वृक्षारोपण, बाल संस्कारशाला, विभिन्न प्रशिक्षण संचालित करने में अपना योगदान, 2 घंटा प्रति साप्ताहिक समयदान के लिए अनुरोध किया। समय दान ही युग धर्म का महत्व बताया। 24 बार गायत्री महामंत्र 11 बार त्रयंबक महामंत्र तथा गायत्री परिजनों को 24000 सवा लाख के अनुष्ठान ब्रह्मास्त्र के लिए संकल्पित किया सभी परिजनों ने समाज कार्य में समयदान देने का संकल्प लिया।

हर-हर महादेव से गूंज उठा शिव धाम भोपाली, सहस्त्र धारा से हुआ अभिषेक

बैतूल। सोमवार से शुरू हुए श्रावण मास में क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल छोटा महादेव शिवधाम भोपाली मंदिर में भक्तों का तांता लग गया। श्रावण मास के पहले सोमवार को शिवलिंग का ओम नमः शिवाय मंत्रोच्चारण के साथ सहस्त्र धारा अभिषेक किया गया। शिव भक्तों की ओर से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के

लिए पहले सोमवार पर छोटा महादेव शिवधाम भोपाली मंदिर में पंचामृत के साथ विशेष शिवलिंग का अभिषेक किया गया। यहां पर क्षेत्र के शिव भक्त नरेंद्र कुमार महतो एवं अन्य शिव भक्तों के द्वारा पहुंचकर सोमवार ब्रह्म मुहूर्त में अभिषेक किया गया। उसके पश्चात दूरदराज से आए शिव भक्तों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में साबूदाना की खिचड़ी एवं चावल की खिचड़ी का प्रसाद श्रद्धालु भक्तों को वितरित किया गया। पहले ही सोमवार और बारिश की झड़ी होने के पश्चात भी श्रद्धालुओं का दर्शन करने का सिलसिला लगातार जारी रहा। पूरा शिव धाम भोपाली बोल बम के जयघोष से गूंजयामान हो उठा। भक्तों का दर्शन करने का सिलसिला प्रातरू 4 बजे से देर शाम तक चलते रहा। श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से अपने पूजन का इंतजार किया और भगवान आशुतोष का अभिषेक कर क्षेत्र में अच्छी बारिश और अच्छी फसल के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की।

ग्राम सालीमेट से कोयलारी तक कच्ची सड़क, कीचड़ भरे रास्तों पर पैदल चलना भी मुश्किल

बैतूल/भौरा। ब्लॉक के ग्राम सलीमेट और कोयलारी के बीच 5 किलोमीटर की कच्ची सड़क होने से यहां के निवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में यह समस्या और भी विकराल हो जाती है, जब कीचड़ भरे रास्तों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। गांववासियों का कहना है कि बारिश के दिनों में यहां से एंबुलेंस से लेकर स्कूल जाने वाले बच्चों को बहुत कठिनाई होती है। बच्चे स्कूल जाने के लिए साइकिल से या पैदल कीचड़ भरे रास्तों से होकर भौरा तक पहुंचते हैं, जो कि उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए जोखिम भरा है।

कच्ची सड़क के कारण कठिनाइयाँ- ग्रामीण भैयालाल बारस्कर, लखनं मवासे, रामकिशोर भलावी, रमेश मोहबे, ब्रजराज धुर्वे, श्यामलाल उईक,अनिता बामने,शीलता परते, ममता उईके संकुन ककोड़िया, राकेश चौहान ने बताया कि कच्ची सड़क के कारण एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती, जिससे बीमार और घायल व्यक्तियों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानी होती है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बच्चे अक्सर गंदे पानी और कीचड़ से होकर स्कूल जाते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य भी खतरे में रहता है। इसके अलावा, किसानों को अपनी फसल को बाजार तक पहुंचाने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

बच्चों की पढ़ाई में बाधा- स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए यह समस्या और भी विकट हो जाती है। बच्चों को साइकिल या पैदल कीचड़ भरे रास्ते से होकर भौरा स्कूल जाना पड़ता है, जिससे उनकी शिक्षा में भी बाधा आती है। कई बार बच्चे कीचड़ में फिसल कर गिर जाते हैं और स्कूल तक पहुंच ही नहीं पाते। इस वजह से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा- इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, ग्रामवासियों ने मिलकर विगत दिनों तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा और ग्राम सलीमेट से कोयलारी तक पक्की सड़क बनाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पक्की सड़क बनने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि गांव के विकास में भी मदद मिलेगी। इससे स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और खेती-किसानी में सुधार होगा। ग्रामवासियों ने सरकार से अनुरोध किया है कि वे इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करें और शीघ्र ही पक्की सड़क निर्माण की योजना को अमल में लाएं। इस संदर्भ में ग्रामवासियों को आशा है कि उनके ज्ञापन पर जल्द ही कार्रवाई होगी और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

तहसीलदार सुनैना ब्रम्हे ने ज्ञापन प्राप्त करने के बाद ग्रामवासियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर इस मुद्दे का समाधान जल्द से जल्द निकाला जाएगा।

पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे और बिजली मीटर और पेट्रोल डिस्पेंसी मशीन के साथ छेड़छाड़

बैतूल। आठनेर में बैतूल रोड पर संचालित एक पेट्रोल पंप को दबंगों द्वारा नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे और बिजली मीटर और पेट्रोल डिस्पेंसी मशीन के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई है इस मामले की शिकायत पेट्रोल पंप डीलर ने पुलिस अधीक्षक से की है। आवेदिका आरती सर्वे ने बताया रात 12 बजे बाप-बेटे की जोड़ी, राहुल और महेंद्र जायसवाल ने पेट्रोल पंप पर अनाधिकृत कब्जा कर लिया। आरती सर्वे के अनुसार, पेट्रोल पंप के तीन टैंकों में करीब 22 लाख रुपये का डीजल और पेट्रोल का स्टॉक रखा हुआ है। पेट्रोल पंप पर हुए इस धावे ने पेट्रोल पंप की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

आवेदिका आरती सर्वे ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है कि अनावेदक राहुल जायसवाल और महेंद्र जायसवाल उनके पेट्रोल पंप को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। जमीन विवाद को लेकर पेट्रोल पंप की सुरक्षा दांव पर है। पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे और बिजली मीटर को काटने, नाली खोदने, और पेट्रोल डिस्पेंसी मशीन के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं से सनसनी फैल गई है। पुलिस पर कार्यवाही न करने का आरोप लगाते हुए, आरती ने न्याय की गुहार लगाई है।

जमीन विवाद से शुरू हुई परेशानी- आरती सर्वे का कहना है कि यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। राहुल और महेंद्र जायसवाल पर आरोप है कि वे भारत सरकार के उपक्रम द्वारा संचालित पेट्रोल पंप को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। 11 जनवरी की सुबह 10:30 से 11:30 बजे के बीच, जब आरती बालाजी पेट्रोल पंप पर काम कर रही थीं, तब राहुल ने उन्हें ऑफिस के पास बुलाया और जाति सूचक गालियां देने लगा। आरती ने कहा कि जब उन्होंने न्यायालय के आदेश का पालन करने की बात कही, तो राहुल उग्र हो गया और

जान से मारने की धमकी देने लगा।

पुलिस पर कार्यवाही न करने का आरोप- आरती ने बताया कि आठनेर पुलिस द्वारा अनावेदकों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जा रही है, जबकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अनावेदक खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं। आरती का कहना है कि अनावेदकों ने पेट्रोल पंप के सामने नाली खोद दी और पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे और बिजली मीटर को भी काट दिया। पेट्रोल पंप पर लगे ऑटोमेशन सिस्टम से छेड़छाड़ की गई, जिससे पेट्रोल डिस्पेंसी मशीन में भी खलल डाला गया है। (ठमजनसॅंउबींत)

पेट्रोल पंप लावारिस हालात में- पेट्रोल पंप पर टैंकों में माल होने के कारण 7 महीने से किसी की देखरेख नहीं हो रही है और पूरे शहर में खतरा बना हुआ है। पेट्रोल पंप पर पेट्रोल, डीजल और ऑफिस में रखे 5-6 लाख रुपये का ऑयल भी पड़ा हुआ है, लेकिन पंप लावारिस हालत में है। आरती का कहना है कि राहुल जायसवाल उन्हें धमकाता है, गाली-गलौज करता है और महिला डीलर होने के कारण उन्हें डराने की कोशिश करता है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल पंप की देखरेख नहीं हो रही है और किसी भी समय आगजनी की घटना हो सकती है, जिससे पूरे शहर को खतरा है। आरती ने एसपी से उचित दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है और कहा है कि अनावेदकों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं ताकि पेट्रोल पंप की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस पूरे मामले ने सनसनी फैला दी है और भय का माहौल बना हुआ है। पेट्रोल पंप डीलर महिला के साथ हो रही अभद्रता और धमकियों के कारण कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

बरबतपुर के पास धसा नई दिल्ली- चेन्नई रेल मार्ग

मरम्मत में जुटे कर्मचारियों, काशन ऑॅर्डर पर निकल रही गड़ियां

बैतूल। तेज वर्षा के कारण नई दिल्ली-चेन्नई रेलमार्ग पर बैतूल के बरबतपुर में ट्रैक धंसक गया। अप और डाउन ट्रैक के बीच पानी निकासी के लिए बनाई नाली के टूट जाने से पानी अप ट्रैक के नीचे पहुंच गया था। रविवार को रेलवे ट्रैक के खंबा नंबर 802/29 के पास अप ट्रैक से गुजर रही हिमसागर एक्सप्रेस के लोको पायलट को झटका महसूस हुआ तब उन्होंने रेलवे कंट्रोल रूम में इसकी सूचना दी। रेलवे के अधिकारियों ने तत्काल ही निरीक्षण करने के बाद मरम्मत का कार्य कराया। रेलवे ट्रैक पर गिट्टी डाली गई और पानी निकासी के लिए बुलडोजर की मदद से नाली बनाई गई। मरम्मत के दौरान

ट्रेनों को धीमी गति से गुजारा गया। सूत्रों ने बताया कि सोमवार सुबह से रेलवे की टीम क्षतिग्रस्त हिस्से के आसपास के ट्रैक की मरम्मत करने में जुटी हुई है। अप और डाउन ट्रैक के बीच पानी निकासी के लिए बनाई गई कंक्रीट की नाली के टूटे हिस्से में तारपोलिन बिछाया गया है ताकि पानी का रिसाव ट्रैक में ना हो सके। इस हिस्से में नाली का निर्माण भी शुरू किया गया है। रेलवे के सहायक डिविजनल इंजीनियर बेसेकर ने बताया कि पानी निकासी के लिए बनाई गई कांक्रीट की नाली टूटने से पानी ट्रैक के नीचे पहुंच गया था। इससे ट्रैक धंस रहा था। मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि माचना नदी पर बने रेलवे पुल के पास वर्ष 2013 में बाढ़ का पानी ट्रैक पर आ गया था। इससे ट्रैक के नीचे की गिट्टी बह गई थी। इसके बाद इस हिस्से में ट्रैक की मरम्मत करने के साथ ही पानी की निकासी के लिए दोनो ट्रैक के मध्य में नाली बनाई गई थी। एक बार फिर से उसी हिस्से में रेलवे ट्रैक के धंस जाने की घटना से रेलवे प्रबंधन द्वारा पूरे हिस्से में मरम्मत कराई जा रही है। कल सुबह बरबतपुर के पास बारिश से धंसा नईदिल्ली-चौन्नई रेलमार्ग पर युद्ध स्तर पर से दूसरे दिन भी मरम्मत कार्य जारी है। यहां पर काशन आर्डर (25 से 30 की स्पीड) में रेल गाडियां निकाली जा रही है। ट्रैक की मरम्मत का निरीक्षण करने के लिए रेलवे के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। अधिकारियों के दिशा निर्देश में मरम्मत कार्य कराया जा रहा है।

नल-जल योजना के कार्यों की समीक्षा

समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों पर करें कार्रवाई : मुख्य अभियंता

बैतूल। समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों को नोटिस जारी कर अनुबंध अनुसार कार्रवाई करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी भोपाल परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर के हारोडिया शनिवार को बैतूल प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत चलने वाली नल-जल कार्यों की प्रगति समीक्षा कर रहे थे। कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए गए। इसके अलावा योजना के कार्य पूर्ण होने के उपरांत पंचायत की सहमति पर योजनाओं को ग्राम पंचायत को हस्तांतरित करने की कार्रवाई करने के निर्देश सभी उपयंत्री को दिए गए।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के ईई आरएल सेकवार ने बताया कि मुख्य अभियंता ने जिला कार्यालय का निरीक्षण कर सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया। साथ ही जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण कर वर्षा ऋतु में जल परीक्षण पर विशेष ध्यान देने हेतु केमिस्टों को निर्देश दिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण- पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्य अभियंता द्वारा पीएचई कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर उसकी देखभाल किए जाने का संकल्प दिलाया गया।

गोहची की नल-जल योजना का किया निरीक्षण- श्री सेकवार ने बताया कि बैठक उपरांत मुख्य अभियंता द्वारा विकासखंड बैतूल के ग्राम गोहची पहुंचकर नल जल योजना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम के समस्त 124 परिवारों को जल प्रदाय होने की पुष्टि ग्रामीणों द्वारा की गई। ग्राम की महिलाओं ने पानी की सुविधा होने से समय की बचत होने की बात कही।

नींदा नाशक का छिड़काव करते ही सोयाबीन की फसल हुई बर्बाद

किसानों ने की तहसीलदार से शिकायत

बैतूल/मुलताई। मुलताई क्षेत्र के ग्राम धाबला में सोयाबीन की फसल में किसानों द्वारा नींदा नाशक दवा का छिड़काव करते ही फसलें झुलस कर नष्ट हो गई जिससे किसानों को आर्थिक क्षति हुई है। पूरे मामले की शिकायत धाबला के किसानों द्वारा कांग्रेस नेता किशोरसिंह परिहार के नेतृत्व में तहसीलदार मुलताई अनामिका सिंह से करते हुए दवा की जांच के साथ मुआवजे की मांग की गई है। धाबला के किसान पिंटू खाकरे, गुलशन खातरकर, लक्ष्मीनारायण चौरे, दिनेश पंवार प्रदीप आसोलकर, गणेश धोटे, केशो साहू, गोलू साहू, रमेश धोटे तथा मुकेश चौरे सहित अन्य किसानों ने बताया कि धाबला में किसानों में सोयाबीन की फसल बोई जिसके बाद किसानों द्वारा गांव के ही कृषि दवाई वितरक सोलंकी कृषि सेवा केन्द्र से बेन नाम की दवाई खरीदी। जिसका उपयोग खरपतवार नियंत्रण हेतू किया जाता है तथा दवा के साथ एक अन्य दवा इर्मजाथाईपर में मिश्रित कर फसलों पर छिड़काव किया जाता है। लेकिन दवा के छिड़काव के बाद लहलहाती फसल जलकर नष्ट हो गई जिससे किसानों की मेहनत पर जहां पानी फिर गया वहीं आर्थिक रूप से भी किसान प्रभावित हो गए हैं।

कंपनी पर कार्यवाही की मांग...- किसानों ने फसल खराब होने का कारण दवाओं को बताते हुए फर्जी दवाई बेचने वाली कंपनी पर कार्यवाही की मांग की गई है। इसके अलावा दवाओं को को बेचने वाले दुकानदार भी कार्यवाही के लिए कहा गया हैं। किसानों ने कहा कि किसान दवाओं पर भरोसा करके मंहगी दवाएं खरीदता है लेकिन दवा फर्जी होने से पूरी फसल खाक हो रही है इसलिए ऐसी दवा कंपनियों तथा इसे बेचने वाले दुकानदारों पर कड़ी कार्यवाही करना आवश्यक है।

6 गांवों में फसलें प्रभावित- किसानों के अनुसार सिर्फ धावला में ही दवाओं से फसलें खराब नहीं हुई है बल्कि परसोड़ी, हिड़ली, छिंदखेड़ा, हेटी तथा शेंदूरजना में भी उक्त दवा के छिड़काव से किसानों की फसल खराब हुई है। बताया जा रहा है कि फसलों को खरपतवार से बचाने के लिए निंदा नाशक दवाओं का प्रयोग किया जाता है जिसके लिए किसानों को मंहगे दामों में निंदा नाशक दवाएं खरीदना पड़ता है लेकिन वर्तमान में दवाओं की कोई गारंटी नहीं होने से सीधे इसका प्रभाव फसलों पर पड़ रहा है जिससे किसान की मेहनत व्यर्थ जाती है साथ ही आर्थिक रूप से भी किसान प्रभावित हो रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत एसपी ने किया पौधारोपण

धार। महाराजा भोज उद्यान धार में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत धार एसपी मनोज कुमार सिंह ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार को नगर में इंदौर नाका स्थित महाराजा भोज उद्यान परिसर में फूल और फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता श्याम नायक, हमारा प्रयास सेवा संस्थान अध्यक्ष संजय शर्मा, विकास शर्मा शांतिलाल शर्मा के विशिष्ट आतिथ्म में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एसपी मनोज कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि पौधा रोपण पर्यावरण को शुद्ध करने की ओर श्रेष्ठ पहल है। पौधा रोपण के साथ पौधों की सुरक्षा का भी समुचित ध्यान रखा जाना भी अत्यंत आवश्यक है।

मनोज कुमार सिंह द्वारा उद्यान में 1 वर्ष पूर्व लगाएं जामुन पौधे को दिखा पौधा सुरक्षित देख उद्यान माली को धन्यवाद देते हुए प्रशंसा की। महाराजा भोज उद्यान के सुरक्षा गार्ड किशोर अंसारी और उद्यान के माली रमेश चौहान ने पौध रोपण कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

पौधा रोपण के अवसर पर आर.आई पुरुषोत्तम विश्नोई,रोहित निक्कम अजीत कुशवाह शरद जोशी देवांग पवार भी उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा ने किया एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुक्तिधाम में पौधारोपण

धार। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा वृहद पौधारोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान केंद्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा सोमवार को धार नगर के

मुक्तिधाम पर पौधारोपण किया गया ।

कार्यक्रम में किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया,भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह चौहान,भाजपा जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर, मोर्चा जिला महामंत्री रतन पाटीदार ने पौधरोपण किया।

इस दौरान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा और रवि पाटीदार सहित शांतिलाल शर्मा कमल वर्मा अनिल सेठ, मोर्चा मंडल अध्यक्ष कमलेश बिजवा, चंचल पालोड़िया सहित अनेक मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित रहे। जानकारी किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी रितेश अग्निहोत्री ने दी।

दक्ष प्रजापति की जयंती मनाई

सुबह सवेरे सोहागपुर ।

भगवान विष्णु के अनन्य भक्त महाराज दक्ष प्रजापति की जयंती प्रजापति समाज के तहसील अध्यक्ष कमलेश मालवीय प्रजापति के निवास पर मनाई गई। इस अवसर पर सम्राट दक्ष प्रजापति की प्रतिमा की विशेष पूजन अर्चना की गई। पूजन के उपरांत उपस्थित जनों ने प्रतिमा पर तिलक लगाया। वहीं कमलेश प्रजापति ने सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया। कमलेश प्रजापति ने दक्ष प्रजापति के बारे में संक्षिप्त उद्बोधन दिया। फल वितरण के बाद कन्या भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कमलेश प्रजापति, शशिकांत प्रजापति, संतोष प्रजापति, महेश, जग्गू, दीपक, अशोक, यशवंत प्रजापति आदि उपस्थित थे।

आयुष विभाग द्वारा मलेरियारोधी दवाइयों का कराया जा रहा वितरण

नरसिंहपुर। राज्य शासन के आयुष विभाग के निर्देशानुसार आयुष मलेरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम 2024 के अंतर्गत मलेरिया से बचाव के लिए जिले के मलेरिया प्रभावित हाई रिस्क गांव में आयुष मलेरिया अभियान चलाया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरक्षा सिंह चौहान ने लोगों से अपील की है कि वे मलेरिया से बचाव के लिए स्वच्छता का ध्यान रखें। घर के कूलर, पुराने पड़े टायर आदि में पानी जमा न होने दें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, पानी के गड्ढे में केरोसिन या टिनोंफोर्स डालें, नीम का धुआं करें, फुल बाहों के कपड़े पहने, बुखार आने पर निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करवाने की सलाह लें। दवाई का वितरण आयुष चिकित्सक आयुष कंपाउंडर आयुष महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता आयुष दवा साज योग शिक्षक एवं सहायक के माध्यम से किया जा रहा है। होम्योपैथिक औषधि मलेरिया ऑफ- 200 की 6- 6 गोली मलेरिया से प्रभावित परिवार के प्रत्येक सदस्य को खिलाई जायेगी। नोडल अधिकारी डॉ. आरएन पांडे ने बताया कि हौम्योपैथिक औषधि के सेवन करते समय मुख को साफ रखें, दवाई खाने के 15 मिनिट पहले एवं बाद में कोई भी चीज न खाएं, दवाई को बच्चों की पहुंच से दूर रखें, दवाई खुशबूदार चीजों से दूर रखें, दवाई को फाइल्स के ढक्कन या चम्मच में लेकर सेवन करें, दवाई का सेवन हौम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह से करें, मलेरिया के लक्षण बुखार आना, सर दर्द होना, उल्टी होना, ठंड लगना, चक्कर आना व थकान लगना बचाव के उपाय बताए गए। आयुष चिकित्सालय झिरना रोड डेडवारा, आयुष विंग नरसिंहपुर, सभी ब्लॉक के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयुष चिकित्सक एवं स्टाफ द्वारा प्रतिदिन दवाई का वितरण किया जा रहा है।

हुजूर शांत रहने वाली पलकमती नदी की तासीर ऐसी है कि रौद्र रूप दिखा देती है, पलकमती नदी में बाढ़

सुबह सवेरे सोहागपुर। हुजूर शांत रहने वाली पलकमती नदी की तासीर ऐसी है कि रौद्र रूप दिखा देती है। पलकमती नदी में बाढ़। ऐसा ही नजर लम्बे अंतराल के बाद शनिवार सुबह नगरवासियों को देखने को मिला। वहीं आज शाम भी पहाड़ी क्षेत्रों से निकलकर नगर के बीचोंबीच बहने वाली पलकमती नदी के मछली बाजार वाला लिपटा जलमग्न हो गया। दर्शनों की भीड़-भाड़ को देखते हुए। वहां पुलिसकर्मी की तैनाती की गई है। इधर पलकमती नदी में नगर पंचायत के करीबन दस नालों के गंदे निकासी पानी एवं पलकमती के दोहन के कारण अपना अस्तित्व खोती पलकमती नदी में यकायक बरसात का पानी आने से पलकमती नदी का रपटा डूब गया था।वहीं राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया के पुल से कुछ फुट नीचे था। पलकमती नदी के उफान के कारण अम्बेडकर वार्ड,किलापुरा एवं मातापुरा में कई घरों में पानी भर गया। अम्बेडकर वार्ड में नाव चलाने के समाचार हैं।

प्रशासन सक्रिय – मामले की नजाकत देखते अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत, तहसीलदार अल्का एक्का, नगरपालिका अधिकारी जीएस राजपूत, एसडीओ पुलिस संजू चौहान,नगर निरीक्षक कंचन सिंह, उपमंत्री रामगोपाल चौबे आदि ने मौके का जायजा लिया। वहीं पीड़ितों के लिए व्यवस्था की गई।

नजारा देखने उमड़े – सुबह लम्बे अरसे के बाद पलकमती नदी के रौद्र रूप के नजारे को देखने नगर वाशिंदों की उपस्थिति बरसात होने बावजूद भीड़-भाड़ कम नहीं हुई। दोपहर में जब पलकमती नदी का कम हुआ। इसके साथ ही पलकमती नदी के लिपटे रहे पर मछली पकड़ने वालों का तांता लगा रहा।

किवदंतियां – पलकमती नदी के बारे ऐसी किंवदंतियां प्रचलित हैं कि यह पलकमती नदी कालांतर में पलक झपकते पानी से लबालब हो जाती थी। फिर कुछ ही घंटों में सामान्य स्थिति में पहुंच जाती थी। कभी विकीपीडिया में सबसे सौंदर्य नदी का उल्लेख था। इस संबंध में नर्मदा मिशन के गुरू सर्मथन ने नर्मदा परिक्रमा के समय देनवा ग्रार्डन में अपने उद्बोधन में कहा था। पलकमती नदी देव कन्या है। पहाड़ों से निकलने वाली इस नदी की परिक्रमा करनी चाहिए।

गंदे नालों का पानी मिलता है – इस पवित्र पलकमती नदी कालांतर में सभी धार्मिक आयोजन पलकमती नदी के तीरे होते थे। लेकिन लम्बे अरसे से नगर पंचायत परिषद के लगभग दसों नालों का गंदा पानी इसमें सम्माहित होता रहा। वहीं नवधनाढ्यों के बारे बार सफाई में पलकमती नदी का दोहन किया जाता रहा है। इससे इसके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। हालांकि क्षेत्रीय विधायक पलकमती नदी को साबरमती बनने की तरफ अग्रसर हैं।

गुरु पूर्णिमा पर जूना गुजराती दर्जी समाज द्वारा महाप्रसादी का हुआ आयोजन

धार। श्री दामोदरवंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज के आराध्य गुरुदेव श्री श्री 1008 टेकचंद जी के गुरुपूजन का आयोजन नगर के नानेवाढ़ी स्थित समाज की धर्मशाला में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दिनभर धार्मिक आयोजन हुए जिसमें जिसमें महिलाओं द्वारा दोपहर में भजन का आयोजन रखा गया , समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

तत्पश्चात श्याम 5 बजे पौ चौपाटी स्थित श्री राम मंदिर में भगवान श्री राम एवं गुरु महाराज की आरती उतारी गई उसके बाद पुनः धर्मशाला में पहुंचकर समाज जनों द्वारा श्री श्री 1008 टेकचंद जी गुरु महाराज की महा आरती की गई। आरती के पश्चात समाजजनो के लिये महाप्रसादी का आयोजन रखा गया जिसमें धार सहित ग्रामीण क्षेत्र के सभी समाज जनों ने भाग लिया।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष राजेश डाबी सहित घनश्याम परमार, राजेंद्र मकवाना, धीरज चौहान, विष्णु चौहान, सुरेश पवार, महेश गोयल, बाबूलाल गोयल, महेन्द्र परमार , दिलीप चौहान, प्रवीण मकवाना, लक्ष्मी नारायण चौहान, डॉ. रमाकांत मुकुट, राकेश परमार, राकेश चौहान, विजय मकवाना , रज्जू चौहान, गोवर्धन लाल सोनगरा, श्याम पवार, अशोक चौहान सहित समाज जन उपस्थित रहे। जानकारी समाज के शेखर पवार ने दी ।

तुषार जैन अमेरिका रवाना

भोपाल। मास्टर तुषार जैन का भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग प्रोत्साहन योजना के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण में भारत-अमेरिका क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में चयन हुआ है । इस कार्यक्रम में सहभागिता के लिए अखिल भारतीय स्तर पर 20 विद्यार्थियों का ही चयन हुआ है।

वर्तमान मे एमएनआईटी, जयपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र है। इसके लिए मास्टर तुषार जैन को 22 जुलाई 2024 से 2 अगस्त 2024 तक एडवांस प्रशिक्षण के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास के लिए विश्व प्रसिद्ध प्रतिष्ठित पर्ड्यू विश्वविद्यालय, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में उन्नत प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए शिकागो, संयुक्त राज्य अमेरिका रवाना हो गये है, जिसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर निर्माण और विनिर्माण के प्रमुख पहलुओं, जिसमें चिप्स विनिर्माण की प्रक्रिया निगरानी और नियंत्रण तथा उन्नत ज्ञान प्रदान करना है। इससे पहले तुषार जैन योजना के द्वितीय चरण के लिए चयन के उपरांत मास्टर तुषार जैन 24 जून से 12 जुलाई, 2024 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद मे सेमीकंडक्टर विनिर्माण की पूरी प्रक्रिया का प्रायोगिक अनुभव प्राप्त किया । मास्टर तुषार जैन के पिता श्री अजीत कुमार जैन, एनएचडीसी मे प्रबंधक जनसंपर्क के पद पर कार्यरत है तथा माता श्रीमती रचना जैन गृहणी है, इसके लिए सभी परिवारजन हर्षित व गौरवान्वित है।

जेईई और नीट की तैयारी कराने वाले शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक

नरसिंहपुर। स्थानीय शासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए जिला प्रशासन की पहल पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में विगत 8 जून से जेईई व नीट की परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रतिभावान बच्चे अपनी कक्षाओं में अध्ययन के साथ-साथ निःशुल्क कोचिंग से उक्त परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार ने निःशुल्क कोचिंग में अध्यापन कराने वाले शिक्षकों से चर्चा की। उन्होंने शाला प्रचार्यों को चिन्हित बच्चों को नियमित भेजने के निर्देश दिये। साथ ही विषय नोडल शिक्षकों को सप्ताह में एक दिन टेस्ट लेकर उनकी गलतियों को सुधारने के निर्देश दिये। सहायक कलेक्टर श्री शुभम यादव द्वारा अभिभावकों से चर्चा करके इन परीक्षाओं के महत्व व अन्य जानकारी पर बल दिया। जिला प्रशासन की ओर से तैयारी के लिए पुस्तकें व सॉफ्ट मटेरियल उपलब्ध कराया जा रहा है। प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर श्री जीएस पटैल ने अभी तक की प्रगति से अवगत कराया गया।बैठक में प्राचार्य नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्री एके चौबे, प्राचार्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैंसा पाला श्री आरके श्रीवास्तव, श्री दीपक अग्निहोत्री, श्री आरएन रावत, श्रीमती शुभावना पांडेय और अन्य शिक्षक मौजूद थे।

समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देश

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत जिन चिन्हित क्षेत्रों में जनमन कैंप आयोजित किए जा रहे हैं उसके आस पास के क्षेत्रों में रहने वाले पात्र हितग्राहियों के मोबाइल नंबर आधार से लिंक करवायें जायें। क्योंकि आधार लिंक होने पर विभिन्न संचालित योजनाओं का उन्हें प्राप्त हो पाएगा।इन कैंपों की सूचना स्थानीय स्तर पर लोगों तक प्रदान की जाये जिससे वे इन कैंपों में आकर लाभ ले सकें। यह निर्देशित कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को आयोजित होने वाली समय सीमा की बैठक में दिये। बैठक में उन्होंने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग अधिकारी यह सुनिश्चित करवायें कि जन मन योजना के तहत जो जनजातीय समुदाय अभी शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित है उन्हें इसमें शामिल किया जाये।इन कैंपों में विशेष तौर पर स्कूल शिक्षा,महिला एवं बाल विकास व कृषि विभाग के अन्तर्गत आने वाले लोगों को शामिल करने पर ज़ोर देना है। विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र, आधार मिसमैच आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी ज़िला शिक्षा अधिकारी अगली टीएल बैठक में प्रस्तुत करेंगे। साथ ही स्कूल विभाग का अमला यह भी सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों को पुस्तकों का वितरण हो। समस्त एसडीएम एवं तहसीलदार अपने अपने क्षेत्र में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित

छात्र छात्राओं के हॉस्टल का निरीक्षण करेंगे।इसमें उनके लिए भोजन, पानी, रहने, बिस्तर एवं छात्रावास तक पहुँचने के मार्ग की जानकारी निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करेंगे। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग यह भी बतायेंगे कि किस छात्रावास को शासन द्वारा कितनी राशि प्रदान की गई है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने शासन की महत्वाकांक्षी राजस्व महाअभियान 2.0 की चर्चा करते हुए राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसके अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों में राजस्व अभिलेख दुरुस्ती एवं राजस्व प्रकरणों के निराकरण के प्रतिदिन के लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करें। खाद्य विभाग द्वारा विकासखंड वार प्रतिमाह खाद्यान वितरण की जानकारी बैठक में ली। कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों की ई केवायसी के कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी बैठक में दिये। खाद्य आपूर्ति अधिकारी द्वारा जिन राशन दुकानों से खाद्यान का वितरण प्रारंभ नहीं हुआ है इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।शासकीय भवनों में संचालित विभिन्न कार्यालयों जिनकी स्थिति जर्जर हो चुकी है इनका निरीक्षण लोक निर्माण विभाग द्वारा कर डिस्मेंटल किए जाने योग्य भवनों को एक सप्ताह के भीतर डिस्मेंटल कर जानकारी देंगे। विभाग प्रमुखों को हिदायत देते हुए कहा कि जिन कार्यालयों का स्टाफ सेवानिवृत्त होने वाला हो उनके पेंशन आदि प्रकरण समय पर तैयार किए जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो।विभाग प्रमुख इसे गंभीरता से लें। बैठक में कलेक्टर श्रीमति शीतला पटले ने जून माह में सीएम हेल्पलाइन में विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा की। विभागवार समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन विभागों की ग्रेडिंग सी और डी में है वे अपनी ग्रेडिंग को बेहतर करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दलिप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, सहायक कलेक्टर श्री शुभम कुमार यादव सहित समस्त एसडीएम एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर संगीत महाविद्यालय ने किया संगीत सभा का आयोजन

● संगीतमय प्रस्तुतियों को दर्शकों द्वारा सराहा गया

धार। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति संचालनालय भोपाल के सौजन्य से गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर शासकीय संगीत महाविद्यालय धार द्वारा संगीत सभा आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ श्री दीपेन्द्र शर्मा तथा अतिथि कलाकारों द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, कार्यशाला में डॉ. स्नेहा पण्डित द्वारा सिखाए गए गुरु वन्दना और राग यमन एकताल में बंदिश देव देव महादेव गाकर कार्यक्रम का आगाज़ किया। तबला गुरु पण्डित विलास खरगोनकर द्वारा सिखाए गए तबला जुगलबंदी की सुंदर प्रस्तुति छात्रों द्वारा दी गई। तत्पश्चात् रतलाम से पधारी सुप्रसिद्ध गायिका डॉ स्नेहा पण्डित द्वारा राग बिहाग में बड़ा खयाल,

स्वरचित छोटा खयाल, आलाप तानों सहित सुमधुर स्वरों के साथ और सधे हुए स्वरों में रागमाला प्रस्तुत की गई। आपके साथ तबले पर तल्हीन त्रिवेदी और हारमोनियम पर रोहित परिहार ने बहुत ही सुंदर ढंग से संगत की।

इस कार्यक्रम में ख्यातिलब्ध तबला गुरु पण्डित विलास खरगोनकर, इंदौर, द्वारा तबला वादन की प्रस्तुति में ताल त्रिताल में पेशकार, कायदे और टुकड़े, चक्रदार टुकड़े आदि सधे हुए लयकारियों के साथ पेश किए। आपके साथ तबले पर आपके ही शिष्य तरुष अग्रवाल और हारमोनियम पर रजत सेम संगत कर रहे थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य कांति तिर्की द्वारा अतिथियों, अतिथि कलाकारों का स्वागत सम्मान पुष्प गुच्छ, शॉल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया तथा कार्यशाला में प्रशिक्षित विद्यार्थीयों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में संगीत प्रेमी, संगीत सुधि श्रोतागण,वरिष्ठ संगीतज्ञ दीपक खलतकर, महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शशि चौधरी एवं प्रिया शर्मा द्वारा आभार प्रकट किया गया। प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा बहुत सराहा गया।

किरण गुप्ता 'पालक महासंघ मप्र' धार की अध्यक्ष नियुक्त की गई

पालकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करने वाला संगठन

धार। स्कूली बच्चों और पालकों के प्रदेश स्तरीय संगठन 'पालक महासंघ मध्यप्रदेश' ने धार जिला इकाई का पुनर्गठन किया है। संगठन द्वारा जारी पत्र के अनुसार संगठन की जिला इकाई धार का जिला अध्यक्ष श्रीमती किरण गुप्ता (महिला विंग) को नियुक्त किया गया।

यह नियुक्ति संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष और इंदौर संभाग के प्रभारी संजीव वैध और जिला अध्यक्ष प्रेमसिंह चौहान की अनुशंसा और संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा के निर्देश पर की गई है। यह संगठन छात्रों और पालकों के हित में कार्य करता है। नव नियुक्त महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती गुप्ता से भी उम्मीद की गई है कि वे बच्चों और अभिभावकों के हितों की आवाज बनकर संगठन को सक्रियता देंगी।

यह है इस संगठन का मकसद

इस संगठन का मूल मकसद पालकों को यह जानकारी देना है कि वे निजी स्कूलों के दबाव में न आएं। जो निजी स्कूल पालकों को किताबें और यूनिफॉर्म के नाम पर लुटते हैं, उनको सजा दिलाना है। जबकि, निजी स्कूल अधिनियम 2017 और 2020 में इसका स्पष्ट उल्लेख है कि निजी स्कूल अपने व्यक्तिगत फायदे के लिए स्कूली सामग्री को न तो खुद बेच सकते हैं, न किसी एक दुकान से यह सामग्री खरीदने के लिए बाध्य कर सकते हैं। यह संगठन स्कूलों के इसी एकाधिकार को खत्म करने के लिए आवाज उठाता है।

संविदा अधिकारी-कर्मचारियों ने मंत्री से की मुलाकात

नवीन संविदा नीति का लाभ देने की मांग, कैलाश विजयवर्गीय ने जल्द कार्रवाई का दिया आश्वासन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात की। जहां उन्होंने मंत्री को बताया कि स्मार्ट सिटी, नगरीय प्रशासन और नगर निगमों में कार्य करने वाले संविदा अधिकारियों/कर्मचारियों को अभी तक नवीन संविदा नीति का लाभ नहीं मिल पाया है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया है कि जल्दी ही हम इस पर कार्रवाई करेंगे।

22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी की गई नवीन संविदा नीति में स्पष्ट है कि पद के अनुसार सातवें वेतनमान के अनुरूप समकक्षता निर्धारण की जाएगी। अनुकम्पा नियुक्ति, ग्रेज्युटी, शासकीय सेवकों के अनुसार अवकाश की पात्रता होगी और प्रतिवर्ष वेतन वृद्धि होगी। संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि 1 वर्ष बीतने के पश्चात भी संविदा कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिला है। इस कारण संविदा कर्मचारियों को कम वेतन मिल रहा है।

उन्होंने मंत्री से मुलाकात कर मांग की है कि संविदा अधिकारियों/कर्मचारियों को जारी की गई नीति का पालन करते हुऐ वेतन और भत्ते, सुविधाओं का लाभ दिया जाए। इस मौके पर जी आर मूलचंदानी, ओ. पी. गौर, समीक्षा जैन, राखी शर्मा, अनिल सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रजा का हाल जानने निकले बाबा महाकाल

एक झलक पाने आतुर दिखे श्रद्धालु; 2.15 लाख से ज्यादा भक्तों ने किए दर्शन

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में बाबा महाकाल की पहली शाही सवारी निकल रही है। महाकाल ने श्रद्धालुओं को मनमहेश स्वरूप में दर्शन दिए हैं। मान्यता है कि वर्षा काल में सृष्टि का संचालन करने वाले सभी देवता शयन काल में चले जाते हैं। जबकि बाबा महाकाल सृष्टि का संचालन करते हैं। ऐसे में सावन मास में महाकाल प्रजा का हाल जानने निकलते हैं।

आज सावन का पहला सोमवार है, और खास बात यह है कि इस पवित्र माह की शुरुआत भी सोमवार से हुई है। इससे पहले महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर प्रशासन ने दावा है कि कतार में लगे भक्त को गर्भगृह तक आने और यहां से आगे जाने में 1 घंटे से कम समय लगा।

भगवान महाकाल की भस्म आरती के लिए रविवार रात 2.30 बजे ही महाकाल मंदिर के पट खोल दिए गए। भस्म आरती में 17 हजार भक्तों ने भस्म आरती में दर्शन किए हैं। जबकि दोपहर 3 बजे तक 2.15 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। दिनभर में 3 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

इधर, रायसेन के भोजपुर मंदिर में भगवान का 3 क्विंटल गुलाब, गेंदे, बिल्व पत्र, धतुरा और आम के पत्तों से श्रृंगार किया गया। ओंकारेश्वर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में शिव अभिषेक हुआ। आगर मालवा स्थित बाबा बैजनाथ का अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया गया।

रीवा में कांग्रेसियों को वाटर कैनन से खदेड़ा

महिलाओं को जिंदा दफनाने के मामले में प्रदर्शन

रीवा (नप्र)। रीवा में जमीन विवाद में दो महिलाओं को जिंदा दफन करने की कोशिश के मामले में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया है। कलेक्ट्रेट घेरने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक लिया और उन्हें खदेड़ने के लिए उन पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। आंसू गैस भी छोड़ी। इसके बाद भी कांग्रेसियों के नहीं मानने पर हल्का बल प्रयोग भी किया गया।

बता दें कि मुरम कांड के विरोध में कांग्रेस रीवा कलेक्ट्रेट का घेराव करने निकली थे, लेकिन कलेक्ट्रेट पहुंचने के पहले ही उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद कांग्रेस ने हनुमान चौराहे पर नारेबाजी कर दी और मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला फूंका। हालांकि, पुलिस ने जलते हुए पुतले पर पानी डालकर उसे बुझाने की भी कोशिश की।

गुना में प्राइवेट स्कूल में एबीवीपी कार्यकर्ताओं का हंगामा, पुलिस से धक्का-मुक्की और नारेबाजी- गुना में प्राइवेट स्कूल में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार सुबह हंगामा कर दिया। स्कूल में एक हफ्ते पहले कथित तौर पर एक छात्र को श्लोक पढ़ने से रोका गया था। इसके खिलाफ सुबह करीब 10:30 बजे एबीवीपी कार्यकर्ता स्कूल गेट के ऊपर से कूदकर अंदर घुस गए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो धक्का-मुक्की हुई। कार्यकर्ता स्कूल के अंदर रिसेप्शन के सामने बैठकर नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि जिस टीचर ने छात्र को श्लोक पढ़ने से रोका, उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रदेश में दुकानों पर नेमप्लेट लगाने का कोई आदेश नहीं

सरकार ने कहा- कोई मर्जी से लिखना चाहे तो लिख सकते हैं

भोपाल (नप्र)। कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है।

इस बीच मध्यप्रदेश सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है। सरकार की ओर से कहा गया कि मध्यप्रदेश में दुकानों पर नेम प्लेट लगाने के लिए कोई आदेश जारी नहीं किया है। सभी नगरीय निकायों को किसी भी तरह के भ्रम से बचने को कहा गया है।

नगरीय विकास और आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने कहा कि सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है। लोग अपनी स्वेच्छा से दुकान का नाम और मालिक का नाम लिख सकते हैं।

उज्जैन महापौर ने दिए थे दुकान मालिकों को निर्देश- उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल ने दुकान मालिकों को बोर्ड पर अपने नाम और फोन नंबर लिखने के निर्देश दिए गए थे। टटवाल ने 26 सितंबर 2002 के मेयर-इन-काउंसिल के एक फैसले का हवाला दिया था। इसमें दुकानदारों को नाम लिखने के लिए कहने वाले प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी।

उन्होंने दावा किया था कि ये प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया था और सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। विभाग ने कहा है कि मध्य प्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम 2017 के अंतर्गत दुकानों पर बोर्ड लगाए जा सकते हैं। इन बोर्ड्स पर दुकान के मालिक का नाम प्रदर्शित करने की कोई बाध्यता नहीं है।

भोपाल में बारिश, छिंदवाड़ा में मकानों में पानी भरा

इंदौर समेत 30 जिलों में बारिश का अलर्ट; नर्मदा उफान पर

भोपाल (नप्र)। मानसून सीजन के पहले स्ट्रॉन्ग सिस्टम ने पूरे मध्यप्रदेश को तरबतर कर दिया है। भोपाल में सुबह से कभी धीमी तो कभी तेज बारिश हो रही है। इंदौर में बूंदाबांदी है। रतलाम में भी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में 30 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

नर्मदापुरम और देवास में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा सीहोर, रायसेन के भीमबेटका, दक्षिण विदिशा, हरदा, दक्षिण सिवनी, दक्षिण बालाघाट में आकाशीय बिजली चमकने के साथ मध्यम गरज के साथ बारिश की संभावना है।

भोपाल, विदिशा में हल्की बारिश हो सकती है। इंदौर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी के बावनगजा, धार के मांडू, सागर, दमोह, जबलपुर, उमरिया, कटनी, शहडोल, अनूपपुर के अमरकंटक, डिंडौरी, मंडला, उत्तर बालाघाट, उत्तर सिवनी में दोपहर में मौसम बदलने का अनुमान है।

छिंदवाड़ा में निचले इलाकों में भरा पानी- इससे पहले शनिवार-रविवार की दरमियानी रात बारिश का पानी छिंदवाड़ा के निचले इलाकों में बने मकानों में भर गया। बैतूल के सारणी में शनिवार रात 12 बजे से सुबह 8 बजे तक 8 इंच बारिश हुई। रविवार को सतपुड़ा डैम के 14 में से 11 गेट खोले गए, जबकि श्योपुर का आवदा डैम भी ओवरफ्लो हो गया।

नर्मदा 3 फीट ऊपर बह रही है। इससे ओंकारेश्वर, इंदिरा सागर डैम में भी पानी बढ़ा है। अगले 24 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन समेत 36 जिलों में तेज बारिश होने का अनुमान है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया- साइक्लोनिक सर्कुलेशन, लो प्रेशर एरिया, मानसून ट्रफ के साथ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की खाड़ी से नमी आने से बारिश की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी है।

बड़ा तालाब में 1 फीट पानी बढ़ा, लेवल 1662.40 फीट

भोपाल में 24 घंटे में 1.9 इंच बारिश हुई; सीजन का 50 प्रतिशत पानी गिरा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पिछले 24 घंटे में 49.6 मिमी यानी, 1.9 इंच बारिश हुई। इसे मिलाकर अब तक 476.3 मिमी यानी, 18.7 इंच पानी गिर चुका है, जो सीजन की कुल बारिश का 50 प्रतिशत है। तेज बारिश होने से बड़ा तालाब में 1 फीट पानी बढ़ा और लेवल 1662.40 फीट तक पहुंच गया। अब यह सिर्फ 4.40 फीट ही खाली है। तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है।

रविवार को बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया में तेज बारिश हुई। वहीं, सीहोर जिले में बारिश होने से कोलांस नदी भी लेवल से 11 फीट ऊपर बही। सोमवार सुबह लेवल 8 फीट पर आ गया। नदी का पानी तेजी से बड़ा तालाब में बढ़ रहा है। इस वजह से तालाब का जलस्तर भी बढ़ रहा है।

बड़ा तालाब फुल भरेगा तो भदभदा के गेट खुलेंगे

कोलांस नदी का पानी बड़ा तालाब में पहुंचता है। जब तालाब फुल भर जाता है तो भदभदा डैम के गेट खोले जाते हैं। करीब साढ़े 4 फीट पानी गिरते भदभदा के गेट खुल जाएंगे। इसके बाद कलियासोत डैम के गेट भी खुलेंगे। बता दें कि कोलांस, बड़ा तालाब, भदभदा और कलियासोत डैम एक-दूसरे से जुड़े हैं।

एक महीने में ही सीजन की आधी बारिश

इस बार भोपाल मानसून की एंट्री 23 जून को हुई थी। तभी से बारिश का दौर जारी है। इस वजह से एक महीने में ही आधी बारिश हो चुकी है। भोपाल में कुल सामान्य बारिश 37.6 इंच है। इसके मुकाबले अब तक 18.7 इंच पानी गिर चुका है।

जुलाई में 9.6 इंच पानी गिरा

भोपाल की जुलाई महीने की एवरेज बारिश 367.7 मिमी यानी 14.4 इंच है। 1 से 21 जुलाई तक भोपाल में 9.6 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। जुलाई का कोटा पूरा होने में अब करीब 5 इंच पानी की और जरूरत है।

दूसरे पखवाड़े में तेज बारिश का दौर

पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर दौड़ाए तो 10 साल में यह सबसे कम बारिश है। साल 2015 और 2022 में सबसे ज्यादा 33.6 इंच पानी गिरा था, जबकि 2020 में 6.1 इंच बारिश हुई थी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जुलाई के दूसरे पखवाड़े में तेज बारिश का ट्रेंड है। इस बार भी ऐसा ही मौसम बना हुआ है। 15 जुलाई के बाद से लगातार बारिश हो रही है। अब चूंकि, स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। इसलिए तेज बारिश का दौर जारी रहेगा।

विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिये सरकार कोई कसर नहीं रखेगी : जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह

छात्रावासों में हों बेहतर व्यवस्थाएं, समान छात्रवृत्ति के लिये शीघ्र योजना प्रस्ताव बनाएं

भोपाल (नप्र)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि विद्यार्थियों के बेहतर व सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिये हमारी सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। प्रदेश के सभी छात्रावासों में बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इससे विद्यार्थियों को वहां रहकर पढ़ाई करने और अपना भविष्य संवारने के लिये एक अच्छा सुकून भरा सकारात्मक परिवेश उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्तियों में एकरूपता लाने और छात्रवृत्ति पाने के लिये विद्यार्थियों से मांगे जाने वाले दस्तावेज एवं छात्रवृत्ति स्वीकृति की प्रक्रिया के सरलीकरण के लिये योजना का प्रस्ताव शीघ्र बनाया जाये। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने छात्रावासों में व्यवस्थाओं के सदृढ़ीकरण एवं छात्रवृत्ति में एकरूपता लाने के लिये राज्य सरकार द्वारा गठित अंतर्विभागीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्न शिक्षकों को मूल पदस्थापना में भेजकर उनसे सिर्फ अध्यापन का कार्य लिया जायेगा। इससे बच्चों की पढ़ाई और बेहतर होगी, साथ ही इसके गुणवत्तापूर्ण व सफल परिणाम भी सामने आयेंगे। बैठक में सभी विभागों के अधीन संचालित विभिन्न श्रेणी के छात्रावासों की वर्तमान स्थिति, निवासरत विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में मानव संसाधन व अधोसंरचनात्मक सुविधाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन छात्रावासों की स्थिति व विद्यार्थियों को दी जा रही छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यांश व केन्द्रांश मिलाकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं। इसके अलावा होनहार बच्चों को मेधावी छात्रवृत्ति योजना में भी लाभान्वित किया जाता है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति राशि के अंतर पर विचार कर एक समान छात्रवृत्ति के लिये प्रयास किये जाने चाहिए।

14 सदस्यीय समिति गठित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग को विभिन्न विभागों द्वारा दी जा रही छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण एवं एकरूपता लाने छात्रावासों की व्यवस्था में सुधार लाने पर अनुशंसा करने के लिये 14 सदस्यीय अंतर्विभागीय समिति गठित की गई है। समिति प्रदेश के सभी छात्रावासों में बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की शिष्यवृत्तियों व छात्रवृत्तियों में एकरूपता लाने पर जल्द से जल्द विचार कर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को प्रस्तुत करेगी।

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह अंतर्विभागीय समिति के अध्यक्ष बनाये गये हैं। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, तकनीकी शिक्षा मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री समिति सदस्य बनाये गये हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा, अपर मुख्य सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा, प्रमुख सचिव अनुसूचित जातिकल्याण, सचिव स्कूल शिक्षा तथा सचिव तकनीकी शिक्षा समिति के अन्य सदस्य और प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य इस समिति के संयोजक सदस्य हैं।